RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

सफलता हमेशा असफलता के स्तंभ पर खड़ी होती है। इसलिए किसी को भी असफलता से घबराना नहीं चाहिए।

सुभाषचंद्र बोस

वर्ष-04, अंक - 46 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 18 अगस्त 2022 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

दुकान पर लगे तिरंगे का किया अपमान

टीकमगढ़।

जिले में एक दबंग ने खुलेआम तिरंगे का अपमान कर दिया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर अब खूब वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा रहा है कि राष्ट्रध्वज का अपमान देख मौके पर मौजूद लोगों ने की उस दबंग की जमकर पिटाई भी की।

दरअसल, यह पूरा मामला टीकमगढ़ के जतारा थाना कस्बा क्षेत्र का है। जहां एक गरीब युवक दुकान के पास सडक किनारे धूप और बरसाती पानी से बचने के लिये छायादान लगाकर राखी बेच रहा था। आए उसने अपने छायादान के उपर तिरंगा भी लगा रखा था। वहीं इसी बीच राजीव नामदेव नामक व्यक्ति ने तिरंगे सहित छायादान को जमीन पर पटक दिया।

इसके साथ ही जमीन पर पड़े राष्ट्रध्वज को कुचलते हुए राखी बेचने वाले दुकानदार से मारपीट शुरू कर दी। जिसके बाद लोगों ने राजीव नामदेव की दबंगई व राष्ट्रध्वज का अपमान देख उसकी जमकर पिटाई कर दी। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

गडकरी का डिमोशन और फडणवीस का प्रमोशन

मुम्बई, एजेंसी।

भाजपा ने अपने संसदीय बोर्ड और केंद्रीय चुनाव समिति का पुनगर्ठन किया है। संसदीय बोर्ड में बड़ा बदलाव करते हुए नितिन गडकरी और शिवराज सिंह चौहान को इससे हटा दिया गया है। इसके अलावा 15 सदस्यों वाली केंद्रीय चुनाव समिति में भी इन नेताओं को जगह नहीं मिली है। वहीं महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस को भाजपा ने केंद्रीय चुनाव समिति में शामिल किया है। इस फैसले को महाराष्ट्र और केंद्र में बड़े सियासी बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है। एक तरफ चर्चित केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को संसदीय बोर्ड से बाहर किए जाने को उनके डिमोशन के तौर पर देखा जा रहा है तो वहीं देवेंद्र फडणवीस की एंट्री उनका कद बढ़ने की ओर इशारा करती है।

इससे पहले भी गोवा और बिहार जैसे राज्यों में चुनाव की जिम्मेदारी संभाल चुके देवेंद्र फडणवीस को नेतृत्व प्रमोट कर चुका है। लेकिन अब केंद्रीय चुनाव समिति में जगह देकर साफ किया है कि, फडणवीस का दायरा अब महाराष्ट्र से बाहर भी है और भाजपा में भी उनका राष्ट्रीय कद है। यही नहीं फडणवीस को आज ही महाराष्ट्र विधानपरिषद का नेता भी घोषित किया गया है। लेकिन नितिन गडकरी के साथ ऐसा नहीं है और वह अब सिर्फ केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री ही हैं। भाजपा में उनके पास कोई पद नहीं है और न ही वह किसी राज्य के प्रभारी हैं। साफ है कि नितिन गडकरी का सियासी रसूख पहले जैसा नहीं रहा है।

लंबे समय से अहम भूमिका से बाहर रहे हैं गडकरी

बता दें कि, नितिन गडकरी लंबे समय से भाजपा में साइडलाइन दिखते रहे हैं। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव हों या फिर इसी साल यूपी समेत 5 राज्यों के चुनाव की बात हो, वह कहीं भी प्रचार या फिर अन्य किसी भूमिका में नहीं दिखे थे। संसदीय बोर्ड में बदलाव करते हुए भाजपा की ओर से यह तर्क दिया गया है कि किसी भी सीएम को इसमें नहीं रखा गया है।

क्यों चौंकाने वाला है नितिन गडकरी का संसदीय बोर्ड से एग्जिट...?

ऐसे में शिवराज सिंह चौहान का बाहर जाना समझ में आता है, लेकिन नितिन गडकरी का एग्जिट चौंकाने वाला है। इसकी वजह यह है कि पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों को संसदीय बोर्ड में शामिल करने की परंपरा रही है। लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी को संसदीय बोर्ड से बाहर किए जाने के बाद ही यह परंपरा टूट गई थी। लेकिन नितिन गडकरी मौजूदा सियासत के सक्रिय नेताओं में हैं, ऐसे में उनका बाहर किया जाना चौंकाता जरूर है। फिलहाल नितिन गडकरी की ओर से इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

कोरोनाः डीजीसीए ने जारी की नई गाईडलाइंस

नई दिल्ली। दिल्ली समेत कई राज्यों में बढ़ते कोरोना केसों के बाद डीजीसीए ने यात्रियों के लिए एडवायजरी जारी की है। जिसके अनुसार, बढ़ते कोविड मामलों को देखते हुए, यात्रियों को कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करने और विमान में मास्क पहनना जरूरी होगा।

देश के कई राज्यों में कोरोना केस एक बार फिर बढ़ रहे हैं। राजधानी दिल्ली का सबसे बुरा हाल है। पिछले कुछ दिनों में दिल्ली में रोजाना 2 हजार से ज्यादा नए केस सामने आ रहे हैं। जबकि औसतन 8 से 10 लोगों की मौतें हो रही है। हालांकि राहत की बात यह रही कि मंगलवार को एक हजार से कम नए केस सामने आए। फिर भी स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से कोरोना प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने और मास्क पहनने का आग्रह किया है। केंद्र सरकार भी कोरोना केसों पर चिंता जाहिर कर चुका है।

ये है नई गाईडलाइंस

राज्यों में लगातार बढ़ रहे कोरोना केसों के बाद डीजीसीए ने यात्रियों के लिए नई एडवायजरी जारी की है। अब यात्रियों को कोरोना नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा। साथ ही विमान में मास्क पहनना जरूरी होगा।

दिल्ली में कोरोना बेडों पर मरीजों की संख्या दोगुनी

दिल्ली स्टेट हेल्थ बुलेटिन द्वारा साझा किए गए आंकड़े 1 अगस्त से अस्पताल में भर्ती होने वाले कोरोना मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। अस्पताल में 307 कोविड रोगियों से, आंकड़े बढ़कर 588 हो गए हैं, जबकि 205 ऑक्सीजन सपोर्ट पर और 22 वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं। आईसीयू में दाखिले 1 अगस्त को 98 से बढ़कर 16 अगस्त तक 202 हो गए हैं।

महाकाल मंदिर में दुर्व्यवहार, 2 अध्यक्ष समेत 18 कार्यकर्ताओं को किया निलंबित

माही की गूंज, उज्जैन।

उज्जैन में महाकाल मंदिर में पूजा अर्चना के दौरान परिसर में मंदिर के सुरक्षाकर्मियों से गहमागहमी के बाद कार्यकर्ताओं पर कड़ी कार्यवाई हुई। मध्य प्रदेश युवा मोर्चा के उन पदाधिकारियों को पार्टी ने जिम्मेदारी से मुक्त किया जिन्होंने दुर्व्यवहार किया। इनमें उज्जैन नगर के दो अध्यक्ष समेत 18 पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया हैं।

दरअसल, शुक्रवार को इन सभी कार्यकर्ताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया हुआ था। पार्टी ने सभी कार्यकर्ताओं को भोपाल स्थित प्रदेश कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने के निर्देश दिए थे। जिसके बाद बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने महाकाल मंदिर परिसर में दुर्व्यहार करने वालों पर नाराजगी जताई और बीजेपी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वैभव पवार को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे।

वैभव पवार ने कार्यवाई करते हुए कहा कि, 10 अगस्त 2022 को भारतीय जनता युवा मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष के प्रवास के दौरान इन सभी कार्यकर्ताओं द्वारा महाकाल मंदिर परिसर में किया गया व्यवहार अनुचित था। इससे मंदिर की गरिमा को ठेस पहुंची है, एवं पार्टी की प्रतिष्ठा का भी नुकसान हुआ है। आप सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को निर्देशानुसार सभी जिम्मेदारियों से मुक्त किया जाता है।

इसके बाद उज्जैन नगर के जिला अध्यक्ष अमय शर्मा और उज्जैन ग्रामीण के जिला अध्यक्ष नरेंद्र सिंह जलवा को अध्यक्ष पद से हटा दिया है। साथ ही कार्यकारिणी सदस्य देवेंद्र बाघेला उर्फ बाबू, सौरभ गोशर, लक्की गुर्जर, शुभम डबेवाला, नागदा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष भवानी देवड़ा, कार्यकर्ता- ऋषि बाली, राहुल बैस, कमल सालानी, शिम्पी शर्मा, प्रिंस लौधवाल, सौरभ यादव, विनोद मालवीय, ऋषभ मालवीय, तनय अग्रवाल, गोवर्धन सिंह डोडिया को युवा मोर्चा की जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया हैं।

दरअसल, बुधवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या के महाकाल मंदिर परिसर में पूजा अर्चना करने पहुंचे थे। इस दौरान युवा मोर्चा के 18 कार्यकर्ताओं ने महाकाल मंदिर परिसर में नंदी हॉल में घुसने के दौरान हंगामा किया था।

उन्होंने मंदिर परिसर में तैनात सुरक्षाकर्मियों से विवाद किया था, जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसके बाद युवा मोर्चा प्रदेश संगठन ने सभी को कारण बताओं नोटिस जारी किया था। और कार्यवाई करते हुए शुक्रवार को सभी को अपनी जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया गया।

सामान छोड़िए, बच्चों को लेकर जल्दी निकलिए

धार। जिले के कारम नदी पर निर्माणाधीन डैम में दरार आने से हड़कंप से मच गया। जिसके बाद प्रशासन ने एहतियातन 18 गांवों को खाली कराया है। साथ ही पुलिस और प्रशासन का अमला लगातार अलर्ट की सूचना दे रहा है।

जानकारी अनुसार निर्माणाधीन कोरवा डैम की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। लीकेज की वजह से हादसा न हो जाए, इसलिए प्रशासन ने दोनों ओर का ट्रैफिक रोक दिया है। सबसे ज्यादा स्थिति मानपुर घाट के आगे और खलघाट के बीच गुजरी ग्राम में है।

इसे लेकर जल संसाधन विभाग के प्रमुख सचिव एसएन मिश्रा ने कहा कि, हम कंट्रोल रूम से स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं और समस्या से निपटने के लिए सभी जरूरी आदेश जिला अधिकारियों को दे दिए गए हैं। जल संसाधन विभाग के इंजीनियरों की टीम मौके पर पहुंच गई है।

बता दें कि, उक्त बांध की लम्बाई 590 मीटर और ऊँचाई 52 मीटर है और वर्तमान में 15 एमसीएम पानी उक्त बांध में संचयित है। इसके साथ ही कमिश्नर, आईजी इंदौर, कलेक्टर और एसपी धार, ईएनसी और सीई जलसंसाधन और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर उपस्थित हैं।

वहीं ऐहतियातन धार जिले के 12 गांव और खरगोन जिले के 6 गांवों को खाली कराके सुरक्षित स्थानों पर राहत शिविरों में शिफ्ट किया जा रहा हैं। पुलिस कहती हुई नजर आ रही है कि, जितनी जल्दी हो सके यहां से निकलने का प्रयास करिए। अपने सामान की चिंता मत करिए। अपने परिवार और बच्चों को लेकर सुरक्षित निकालिए।

वहीं एनडीआरएफ , एसडीईआरएफ़ धार और इंदौर की पुलिस टीम, साथ ही पड़ोस के थानों का बल, होम गार्ड तथा राजस्व विभाग के अमले के साथ बचाव कार्य किया जा रहा है।

एसीएस गृह विभाग डॉ. राजेश राजौरा ने जानकारी देते हुए कहा कि, एयरफोर्स के 2 हेलिकॉप्टर और आर्मी की एक कम्पनी रेक्वज़िशन कर स्टैंडबाय पर रखी गई है। जल संसाधन विभाग द्वारा बांध को सुरक्षित राजे जाने के लिए कार्य किया जा रहा है।

दरअसल, धार जिले के धरमपुरी तहसील में स्थित कारम नदी पर बन रहे करीब 305 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे डैम में लीकेज की सूचना सामने आई है। इस परियोजना में 8 गांव की जमीन डूब में आई थी। साथ ही इसके करीब 8 हजार से 11 हजार हेक्टेयर में सिंचाई के लिए उक्त डैम से पानी मिलना था।

हालांकि, गुरुवार दोपहर को डेम में लीकेज की सूचना मिलते पर कलेक्टर, एसपी सहित प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा और लीकेज को देखते हुए अधिकारियों ने 18 गांव में अलर्ट जारी करवा दिया। औय विशेषज्ञों का दल बुलवाकर सुधार कार्य की बात कही जा रही है।

वहीं उक्त डैम निर्माण को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में कई बार आंदोलन, धरने और भूख हड़ताल भी लोगों द्वारा यहां की गई। लेकिन डैम में लीक की सूचना से ग्रामीणों के लिए नई परेशानी खड़ी हो गई है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार डैम में जल भरण की क्षमता तीर 43.98 मेट्रिक घन मीटर रखी जानी है परंतु डैम के लीकेज होने से जगह जगह से पानी निकलने लगा है।

इसे लेकर एमपी कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ ने कहा, 'मध्य प्रदेश के धार जिले में करम नदी पर बने नवनिर्मित कोठीडा-भरुदपुरा बांध में रिसाव की खबर बेहद चिंताजनक है। आदिवासी क्षेत्रों में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों में भ्रष्टाचार की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। मैं सरकार से मांग करता हूं कि बांध में लीकेज को देखते हुए सरकार तत्काल सभी आवश्यक सुरक्षा उपाय करें ताकि किसी भी तरह की क्षति व जानमाल की क्षति को रोका जा सके और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

लापता पटवारी की नदी में मिली लाश, तहसीलदार का अब तक सुराग नहीं

माही की गूंज, शाजापुर। अजय राज केवट

सोमवार रात से लापता तहसीलदार व पटवारी की मंगलवार शाम को लोकेशन के आधार पर कर्बला पुल के पास सीवन नदी में सर्चिंग की जा रही थी, जिनका देर शाम तक कुछ पता नहीं चल सका था। बुधवार सुबह करीब साढे 8 बजे घटनास्थल से तीन किलोमीटर दूर ग्राम छापरी में पटवारी महेंद्र रजक का शव व कार बरामद हुई है। जबकि तहसीलदार नरेंद्र ठाकुर की तलाश जारी है। यहां पर यह भी बता दें कि, मध्य प्रदेश तहसीलदार संघ के अध्यक्ष हैं नरेंद्र सिंह ठाकुर।

मालूम हो कि, जिले में पदस्थ रहे एक तहसीलदार और पटवारी सोमवार रात अपने घर से कहीं पर खाना खाने जाने की कहकर कार से निकले थे, जब वह सुबह तक नहीं लौटे तो परिजनों ने मंडी थाने पहुंच कर गुमशुदगी की रिपार्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में मंगलवार को एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। वहीं सीसीटीवी फुटेज से मिली लोकेशन के आधार पर सीवन नदी पर बने कर्बला पुल के पास सर्चिंग अभियान चलाया गया था। हालांकि देर शाम तक कुछ पता नहीं चल सका था। तहसीलदार शुगर फैक्ट्री चौराहा और पटवारी हाउसिंग कृष्णा नगर सीहोर निवासी है।

तहसीलदार शाजापुर जिले की तहसील मोहनपुर बढ़ोदिया में पदस्थ है, जबकि पटवारी जिले की नसरुल्लागंज तहसील में पदस्थ था। तहसीलदार नरेन्द्र सिंह ठाकुर के बेटे ने थाने जाकर उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें बताया गया था कि सोमवार की रात को तहसीलदार और पटवारी अपने दोस्त महेन्द्र शर्मा व राहुल आर्य के साथ पार्टी करने रफीकगंज स्थित दोस्त तरुण सिंह के फार्म हाउस पर गए थे। तहसीलदार और पटवारी एक कार में सवार थे। इस सूचना के बाद मंडी थाना पुलिस सर्चिंग में जुटी हुई थी।

कर्बला पुल से इंदौर नाका के पास एक पेट्रोल पंप पर कार जाते हुए सीसीटीवी में कैद हुई थी। वहीं गणेश मंदिर के सीसीटीवी में कार आते हुए नहीं दिखी। जिससे संभावना के तौर पर कर्बला पुल के पास सीवन नदी में एनडीआरएफ का दल मंगलवार की शाम नदी में तलाश करता रहा। लेकिन बुधवार की सुबह साढे 8 पर जब मंडी पुलिस और एनडीआरएफ का सर्चिंग दल नदी किनारे जांच करता हुआ करीब तीन किमी दूर ग्राम छपरी पहुंचा तो नदी में कार दिखी। जिसे निकालने पर पटवारी महेंद्र रजक का भी शव मिला, जबकि तहसीलदार नरेंद्र ठाकुर की तलाश अभी तक जारी है।

इस संबंध में टीआई पुष्पेन्द्र सिंह राठौर ने बताया कि, परिजनों ने गुमशुदगी दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर सर्चिंग की जा रही थी। ग्राम छापरी के पास कार व पटवारी महेंद्र रजक का शव मिला है। वहीं तहसीलदार नरेंद्र ठाकुर की तलाश जारी है।

अब लगेंगे प्री-पेड स्मार्ट मीटर, जमा होंगे एडवांस बिल

भोपाल। मध्य प्रदेश में बिजली की मीटर रीडिंग 2023 तक पूरी तरह बंद हो सकती है। प्रदेश के कई शहरों में स्मार्ट मीटर लगाने की कवायद शुरू होने जा रही है। लगभग पांच लाख स्मार्ट मीटर खरीदे जाएंगे जोकि प्री-पेड भी होंगे। इससे फायदा यह रहेगा कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद मीटर रीडिंग कंट्रोल रूम की सीधी नजर पर रहेगा।

जानकारी के अनुसार विद्युत कंपनी लगभग 2 हजार करोड़ रुपए का बड़ा खर्च करने की कवायद में है। केंद्र सरकार ने करीब चार माह पहले ही प्री-पेड स्मार्ट मीटर को लेकर गाइडलाइन जारी कर दी थी। और कहा था कि चरणबद्ध तरीके से इस पर काम करना है। इसके बाद ही मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लंबे समय से इसे लेकर योजना तैयार कर रही थी।

बताया जा रहा है कि, विद्युत कंपनी अब किसी एजेंसी की तलाश में है। कंपनी का मानना है कि अगर प्रोजेक्ट में कोई दिक्कत नहीं आई और तय योजना के अनुसार काम आगे बढ़ता है तो 2023 में आम नागरिकों के यहां स्मार्ट प्री पेड मीटर नजर आ सकते हैं। इससे एडवांस बिल जमा होगा और जमा राशि खत्म होते ही बिजली खुद बंद हो जाएगी। बिजली अधिनियम 2022 में भी इसे शामिल किया हुआ है।

बता दें कि, इन मीटरों में मोबाइल की तरह इसमें सिम रहेगी मोबाइल ऐप से उपभोक्ता के पास हर पल की रीडिंग का डाटा रहेगा। और ऑनलाइन खुद ही बिल बनकर ऐप व अन्य माध्यमों से उपभोक्ता को मिल जाएगा।

वहीं इसके आधार पर ही मोबाइल नेटवर्क की तरह बिजली की व्यवस्था हो पाएगी। जानकारी मिली है कि टेंडर के लिए देश के साथ विदेशी कंपनियां भी इसमें भागीदारी कर सकेगी। गौरतलब है कि इससे पहले स्काडा समेत कॉल सेंटर बनाने में भी चीन व अन्य देशों की कंपनियों ने भागीदारी की थी।

साहब बांटे रेवड़ी और बारी-बारी से सबको दे, सम्मान या साजिश?

माही की गूंज, झाबुआ। मुजम्मील मंसूरी

''अंधा बांटे रेवड़ी अपनो-अपनो को दे'' यह कहावत तो आपने अक्सर सुनी ही होगी। लेकिन इस कहावत को पलटते हुए जिला प्रशासन ने कुछ यूं कर दिया कि, ''साहब बांटे रेवड़ी और बारी-बारी से सबको दे।'' जी हां ऐसा ही कुछ चल रहा है इन दिनों जिला प्रशासन में। अच्छा करो या बुरा, आरोपों की झड़ी हो या भ्रष्ट होने का तमगा, ईमानदार हो या चापलूस, कुछ करो या न करो, रेवड़ी मिलना तो तय है। हां मगर चापलूसों को यहां जरा ज्यादा ही भर-भर कर रेवड़ी बांटी जा रही है, या यूं कहें कि, ''साहब बांटे रेवड़ी, चापलूसों को भर-भर के दे''। ईमानदार, मेहनतकश और जमीनी संघर्ष कर काम करने वालों पर यहां चापलूसी कई गुना भारी नजर आ रही है। इसका सीधा-सीधा प्रमाण आजादी के अमृत महोत्सव के तहत स्वतंत्रता दिवस के आयोजन में देखने को मिला।

आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान आमजन में देशभक्ति को जगाने के लिए भ्रष्टों की फौज ने यूं तो कई आयोजन किए। इस आयोजन को सफल बनाने में आमजन ने भी अपनी महती भूमिका का निर्वहन किया। इसी आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान स्वतंत्रता दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रभारी मंत्री इंदरसिंह परमार ने मुख्य आयोजन में शामिल होकर ध्वजारोहण किया और परेड की सलामी भी ली। कई शैक्षणिक संस्थाओं के विद्यार्थियों ने इस अवसर पर रंग-बिरंगी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां भी दी। यह सारा कार्यक्रम गौरान्वित करने वाला ही रहा। लेकिन कार्यक्रम का अंत बड़ा ही आश्चर्य चकित करने वाला रहा।

कार्यक्रम के अंत में पुरूस्कार वितरण समारोह के दौरान पुरूस्कृत करने की ऐसी झड़ी लगी कि, श्रेष्ठ कार्य करने वालों को प्रशस्ती पत्र देने की सूची खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही थी। संचालन कर्ता द्वारा पढ़ी जा रही इस सूची का अंत ऐसा हुआ कि, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिले के प्रभारी मंत्री मंच से उतरकर चल दिए, मगर सूची खत्म नही हुई। कई लोगों के नाम लिए जाना बाकी ही रह गए। सूची में शामिल बहुत से लोगों ने प्रभारी मंत्री के हाथों प्रशस्ती पर लिए तो कईयों को निराशा ही हाथ लगी। पुरूस्कार वितरण समारोह में हालात कुछ ऐसे थे कि, हर विभाग अपने कर्मचारी को अपनी ही ओर से सम्मानित करना चाहता था। कार्यक्रम का संचालन कर रहे संचालक की स्थिति ऐसी हो गई थी कि, नित-नई सूची उनके हाथों में घोषणा के लिए पहुंच रही थी। पीछे से पहुंचने वाली इन सूचियों में कई व्हीआईपीयों की सूची भी थी, जो अपने अधिनस्तों को प्रभारी मंत्री के हाथों सम्मानित करवाना चाहते थे। मगर अफसोस की ऐसा हो न सका।

जिला प्रशासन द्वारा सम्मान-पत्र वितरण के लिए थोक बंद प्रशस्ती-पत्र बनवाए गए। जिसमें ऐसे अधिकारियों के नाम भी शामिल थे, जो अपने भ्रष्टाचार को लेकर आए दिन अखबरों की सुर्खियों में बने ही रहते है, बावजूद उसके इन भ्रष्ट अधिकारयों को श्रेष्ठ कार्य करने के लिए प्रभारी मंत्री से प्रशस्ती-पत्र बंटवा दिए गए और फोटो खिचवाकर अपने कार्यालयो में फोटो जड़ अपना प्रभाव जमाने का कार्य किया। जिला प्रशासन में कलेक्टर को छोड़ दें तो जिला जनपद सीईओ से लेकर सभी एसडीएम तथा जिला अधिकारियों को एक सीरे से श्रेष्ठ कार्य करने के लिए सम्मान पूर्वक प्रशस्ती-पत्र बांटे गए। अगर वाकई जिले में इतने अधिकारी है जो श्रेष्ठ कार्य करने के लिए सम्मान के पात्र है, तो फिर जिला, प्रदेश व देश में पिछड़ी पंक्ति में अब तक क्यों खड़ा है...? अगर हर अधिकारी अपने आप में श्रेष्ठ है तो इस वर्ष जारी होने वाला परिक्षा परिणाम किसने बिगाड़ा...? क्यों इस जिले के गरीब, आदिवासी ग्रामीणों को जिले से रोजी-रोटी की तलाश में अन्य प्रदेशों में पलायन करना पड़ता है...? शिक्षा विभाग भ्रष्टाचार के मामलों में नंबर एक पर आकर शिक्षा परिणाम फिसड्डी साबित होते है...? जिले में माफियाओं पर कार्रवाई क्योंनहीं होती। जिले में इतने ही श्रेष्ठ अधिकारी मौजूद है तो खेल सामग्री वितरण में जिले में इतने बड़े भ्रष्टाचार कैसे हो जाते है? जिन अधिकारियों के काले कारनामें आए दिन अखबारों में छपते है वे इस तरह के सम्मान के लिए कैसे पात्र हो सकते है...? कौन अधिकारी इस बात का निर्णय करता है कि, कौन सम्मान के लायक है और कौन नहीं...? इस सारे ढर्रे को देखकर तो यही अंदाजा लगाया जा सकता है कि, पूरा बांस पोला है। प्रतिवर्ष इसी तरह की नौटंकी साल में दो बार 26 जनवरी व 15 अगस्त को की जाती है। स्थिति को देखते हुए तो यह भी अंदाजा लगाया जा सकता है कि, जिले के मुखिया को क्या इस तरह की सम्मान सूची से पहले अवगत कराया जाता होगा। अगर हां, तो यह इस जिले का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि जिले के मुखिया के संज्ञान में होने के बावजूद भ्रष्ट अधिकारियों का सम्मान किया जा रहा है या करवाया जा रहा है...? कार्यक्रमों में आने वाले अतिथियों को भी यह ज्ञान नहीं होगा कि, जिन लोगों का उनसे सम्मान करवाया जा रहा हैं क्या वे वाकई में इस सम्मान के हकदार है...? यह भी तय है कि, दूध का धुला कोई नहीं होता, लेकिन आंखों देखा जहर किसके हलक से नीचे उतरता है। जिले के मुखिया पर भी गाहे-बगाहे आरोप लगते ही रहे है। यही जिले का शीर्ष प्रशासनिक नेतृत्व है, जिसकी बदोलत जिले में माफिया खूब फल-फूल रहे है, तो भ्रष्टाचार की नई-नई ईबारतें लिखी जा रही है। जब भ्रष्टाचार उजागर होता तो जांच के नाम पर ऐसा खेल खेला जाता कि, उस जांच का वास्तविक परिणाम कभी सामने ही नहीं आ पाता। जब जिले के अधिकारियों का ऐसा शीर्ष नेतृत्व होगा तो यह सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि, यह सम्मान नहीं है साजिश है...!

महिला पटवारी पर कब्जे की रसीद देने के लिए लगाया वसुली का आरोप

नक्शे में नही होने के बाद भी कब्जे वाली भूमि से दे दिया रोड

माही की गूंज, पेटलावद।

हल्का पटवारियों द्वारा किसानों से कार्य के बदले वसुली के मामले सामने आते रहे है। लोकायुक्त की कार्रवाई में सबसे ज्यादा पटवारी ही ट्रेप होते है। पेटलावद विकास खण्ड में भी गत वर्ष एक महिला पटवारी पावती के नाम पर रिश्वत लेते रंगे हाथों लोकायुक्त द्वारा धरी गई थी। इसके बाद भी इस प्रकार की वसूली पर कोई रोक नही लग पा रही है और किसानों के कार्यो को फ्री में किए जाने वाले सरकारी दावों को खोखला साबित हो रहे है। ज्यादातर मामलों में किसान, पटवारी द्वारा मांगी गई राशि देकर अपना काम करवा लेते है और शिकायत करने पर किसानों को राजस्व के मामलों में उलझा कर परेशान करते।

ऐसा मामला पटवारी हल्का नम्बर एक की महिला पटवारी हेमा नलवाया का सामने आया है। यहां केशरबाई पति मोती भाभर निवासी अमरगढ ने एसडीएम को शिकायत करते हुए बताया कि, मेरी कृषि भूमि ग्राम रामपुरिया प.ह.न. 01 में स्थित होकर सर्वे नंबर 1091/1 रकबा 0.58 होकर राजस्व रिकॉर्ड में मेरे नाम से दर्ज चली आकर भुमि मेरे कब्जे में होकर 70 वर्षों से अधिक समय से मेरे परिवार के कब्जे में चली आकर उक्त भूमि पर कृषि कार्य करती आ रही है। यह कि, प.ह.न. 01 की पटवारी मेरे पास आई और कहा कि, तुम्हारी भुमि में सरकारी भूमि आ रही है और कब्जा तुम्हारा है तो रसीद कटवानी पडेगी। बोलकर मुझसे 9 हजार रूपये ले गई और आज तक न तो रसीद दी न ही पैसे भी वापस दिए। मेरे कब्जे वाली भूमि पर फसल बो रखी है और पटवारी ने उक्त भुमि में से अन्य व्यक्ति को रास्ता दे दिया। जबकि शासकीय रिकॉर्ड में उक्त भूमि में से कोई रास्ता नहीं है। पटवारी ने दुसरे खेत वाले से पैसा लेकर जबरन उक्त खेत से रास्ता दे दिया और अब मौके पर विवाद की स्थिती निर्मित हो रही है। मेरे कब्जे वाली भुमि से अपने वाहन ट्रेक्टर आदी निकाल कर फसल को नुकसान कर रहा है और उसको रोकने पर विवाद झगडा हो रहा है। विपक्षी कहता है, मैने पटवारी को पैसे दिए है और रास्ता लिया है।

शिकायतकर्ता ने बताया कि, वह बुर्जुग महिला होकर विधवा है। पिता के समय उक्त भूमि पर खेती कार्य करते आ रहे है। इस दौरान कई पटवारी इस हल्के में आकर चले गये। लेकिन किसी पटवारी ने यहॉ से रास्ता नही दिया और भुमि भी मेरी निजी ही बताई। लेकिन वर्तमान मे पदस्थ महिला पटवारी हेमा नलवाया ने उक्त भुमि को शासकीय बता कर दुसरे को जबरन रास्ता दे दिया जो कि नक्शे रिकॉर्ड में कोई रास्ता आदी नही होकर भुमि पर कृषि की जा रही है। महिला का आरोप है कि, उक्त महिला पटवारी ने ऐसे ही अमरगढ़ स्थिति एक भूमि की कब्जे की रसीद काटने के लिए 15 हजार रुपये लिए लेकिन बाद में मात्र 25 सो की रसीद दी गई। मामले हल्का पटवारी हेमा नलवाया का कहना है कि, रास्ता शासकीय भूमि में से दिया और इनके द्वारा भील पंचायत में किए गए निर्णय के अनुसार काम किया है। पैसे लेने की बात पर पटवारी ने कहा, आरोप झूठे है मेरे द्वारा कोई राशि नही ली गई।

एक परिवार के चार सदस्यों ने मालगाड़ी के सामने कूदकर दी जान

माही की गूंज, उज्जैन।

प्रदेश के उज्जैन जिले से बड़ी घटना सामने आई है। यहां एक ही परिवार के चार सदस्यों ने ट्रेन मालगाडी के सामने कुदकर आत्महत्या कर ली। आत्म हत्या करने वाले उज्जैन के इंद्रानगर के रहने वाले बताए जा रहे है। जानकारी अनुसार चारो स्टेशन पर एक बाइक से पहुंचे थे। बाइक के नंबर से इंद्रानगर के रवि पांचाल का नाम सामने आया है। मृतक के पास सुसाइड नोट भी मिला है जिसमे ससुराल वाले और पत्नी पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। मृतकों को आरपीएफ पुलिस ने पीएम के लिए भिजवाया। मृतको में एक युवक और तीन मासूम लड़कियां भी है।

भैरवगढ़ थाना प्रभारी प्रवीण कुमार पाठक से मिली जानकारी अनुसार, बुधवार सुबह 9 बजे के बाद नई खेड़ी के यहां पर पारिवारिक कारणों के चलते उज्जैन के पास ग्राम गोयला बुजुर्ग के निवासी रवि पिता तोलाराम पांचाल (35) ने अनादिका (12), आराध्या (7), अनुष्का (4) को गाड़ी से उतारा और बाइक को साइड में रखा। स्कूल बैग भी थे। जैसे ही मालगाड़ी आई उसके सामने चारों कूद गए। नतीजतन ट्रैक पर शव क्षत-विक्षत हो गए। घटनास्थल से गांव गोयला बुजुर्ग 12 किलोमीटर दूर है। घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई।

मालगाड़ी के लोको पायलट शंकर ने बताया कि, नई खेड़ी के यहां पर इंजन से टकराने की आवाज आई तो अचानक ब्रेक लगाए। देखा तो पीछे शव पड़े हुए थे। सूचना मिलते ही जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची।

नहीं खुलता आंगनवाड़ी का ताला, उपस्वास्थ्य केंद्र की हालत भी जर्जर

उपस्वास्थ्य केंद्र जो बन्द ही रहता है।

- दो साल से बन्द पड़ा आंगनवाड़ी भवन।

माही की गूंज, पेटलावद।

नगर से लगी ग्राम पंचायत खोरिया के माही कालोनी बरडिया फलिया स्थिति एक आंगनवाड़ी और उपस्वास्थ्य है जो कि ज्यादातर बंद ही रहते है। आंगनवाड़ी केन्द्र की हालत देख कर लगता है कि एक-दो वर्ष से बन्द पड़ी है और उसके ताले भी नही खुले है। जिला पंचायत में जयस के प्रत्याशी रहे प्रेमसिग भूरिया ने बताया कि, क्षेत्र से गुजरते हुए शासकीय भवनों की हालत देखी तो रुक कर इन भवनों को दौरा किया, तो पता चला को उपस्वास्थ्य केंद्र पर ताला लगा हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि, यहां पर स्टाफ नर्स ओर डॉक्टर कभी-कभी ही आते है, जबकि आंगनवाड़ी तो विगत दो वर्ष से नही खुली है।

प्रेमसिंह भूरिया का कहना है कि, खोरिया पंचायत बरडिया फलिए में काफी समस्याए है जबकि यह फलिया पेटलावद के माही कालोनी से लगा हुआ है। ज़हां पर शासकीय कर्मचारी-अधिकारी लोग निवास करते है। राज्य सरकार व केन्द्रीय सरकार सवृ शिक्षा अभियान व सफाई अभियान में लगी हुई है जो ढकोसला दिखाई दे रही हे। ओर तो ओर विधालय से कुछ ही दुरी पर विधायक साहब भी रहते है शायद इनको भी समस्या दिखाई नही देती।

जर्जर हो रही हालत

दोनों भवन पुराने होकर काफी जर्जर हो चुके है ऐसे में कभी भी यहां बड़ा हादसा होने की सम्भवना है। वही देख रेख ओर मेंटनेंस के अभाव दोनों भवन और अधिक जर्जर हो गए है। प्रेमसिंह भूरिया ने उक्त भवनों की स्थिति सुधराने के साथ-साथ संबधित कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की है। जो हजारो रुपये मासिक वेतन लेने के बाद भी समय पर उपस्थित नही हो रहे है।

आंगनवाड़ी का बन्द पड़ा किट लग कर सड़ चुका दरवाजा, ताला भी सड़ चुका है।

थाईलेड में हिन्दी कविता का नाम गुंजायमान किया

माही की गूंज, मेघनगर।

प्रख्यात कवि व हास्य व्यंग कविता में टेपा सम्मान हास्य ठहागा शिरोमणि व्यंग रत्न आदि पुरस्कार प्राप्त हाड़ोती के कवि व जिले में मेघनगर, झाबुआ, थांदला, पेटलावद कवि सम्मेलन में विगत एक दशक में सर्वाधिक बार आकर तालियां बटोरने वालें सुरेन्द्र यादवेन्द्र ने अंतरास्ट्रीय कवि सम्मेलन में कुमार विश्वास प्रसिद्ध कवि के संचालन में काव्य पाठ किया। राजस्थान मध्यप्रदेश सहित हिन्दी भाषी प्रदेशों का गौरव गान करने वाले सुरेन्द्र यादवेन्द्र की उक्त उपलब्धि देश के लिए गौरवशाली है। अभिव्यक्ति साहित्य संस्था मालवा निमाड़ पन्द्रह सितंबर को शब्द साहित्य सेतु समागम में उक्त कवि का अभिनंदन व व व्यंग विराट सम्मान से सम्मानित करेंगी। उक्त जानकारी देते हुए अभिव्यक्ति के संरक्षक एम एल फूलपगारे व राष्ट्रीय अध्यक्ष निसार पठान रम्भा पुरी ने बताया कि पन्द्रह सोलह सितंबर आयोजित पीपलखुटा में उक्त समागम में देश के पांच राजयौकेसैकडो कवि कवियित्री सम्मिलित होंगे। पंजीयन करवा साहित्य कार कवि कवियित्री अपनी सहमति भी दे रहें हैं।

नगर भ्रमण पर निकले भगवान श्री नीलकंठेश्वर महादेव

भव्य और ऐतिहासिक शाही सवारी का हुआ आयोजन

माही की गूंज, पेटलावद।

नाची धरती... झूमा गगन... जब पेटलावद में हुआ पेटलावद के राजा नीलकंठेश्वर महादेव भगवान का भ्रमण। जी हां लगातार 10वे वर्ष पेटलावद में श्री नीलकंठेश्वर मित्र मंडल के द्वारा श्री नीलकंठेश्वर महादेव भगवान की भव्य शाही सवारी का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में नगर वासी सही क्षेत्रवासी शामिल हुए। उक्त शाही सवारी में रायपुरिया के सुप्रसिद्ध जनता बैंड, उज्जैन के सुप्रसिद्ध कड़ाबीन तोफ, 10 घुड़सवार हाथ में धर्म ध्वजा लिए, सरगम ढोल पार्टी, राजस्थान के सुप्रसिद्ध नाचने वाले ऊंट, रिंगनोद के सुप्रसिद्ध अखाड़े, देपालपुर के सुप्रसिद्ध घोड़ी को नचाने वाले कलाकार, उज्जैन की सुप्रसिद्ध भस्म रमैया झांझर टीम, धार जिले के सुप्रसिद्ध ताशे, झाबुआ जिले का सुप्रसिद्ध डीजे श्री राम डीजे, साई राज डीजे एवं भक्तों की टोली शामिल हुई। शाही सवारी में आए कलाकारों के द्वारा एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी गई जो कि आकर्षण का केंद्र रही।

शाही सवारी में मिला बलीपुर धाम के गुरुदेव योगेश्वरगिरि जी महाराज का सानिध्य

श्री नीलकंठेश्वर मित्र मंडल के निवेदन पर बालीपुर धाम से गुरुदेव योगेश्वर गिरी जी महाराज पेटलावद पहुंचे और शाही सवारी में शामिल हुए गुरुदेव के सानिध्य में पूरा आयोजन हुआ। गुरुदेव ने गुरु भक्तों को आशीर्वाद दिया इस दौरान गुरु भक्तों ने गुरुदेव का भव्य स्वागत किया।

श्रावण के प्रत्येक सोमवार को हुआ महाश्रृंगार, महाआरती व भजन संध्या का आयोजन

श्री नीलकंठेश्वर मित्र मंडल के द्वारा श्रावण माह के प्रत्येक सोमवार को महा श्रंगार महा आरती एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया। लगातार 10 वर्षों से चले आ रहे इस कार्यक्रम का निर्वहन करते हुए इस वर्ष भी श्रावण माह में प्रत्येक सोमवार को आयोजन किए गए। जिसमें भगवान श्री नीलकंठेश्वर महादेव का आकर्षण महा श्रृंगार किया गया। जिसे देखने पेटलावद ही नहीं बल्कि दूर-दूर से लोग पहुंचे और भगवान महादेव के दर्शन लाभ लिए।

कार्यक्रम में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए होती है वीआईपी व्यवस्था

श्रावण माह में आयोजित होने वाले समस्त कार्यक्रमों में श्री नीलकंठेश्वर मित्र मंडल के संचालक गौतम गहलोत एवं पूरे मित्र मंडल के द्वारा तन मन धन से सहयोग करते हुए आयोजन को भव्य रुप दिया जाता है। यहां आने वाले समस्त श्रद्धालु हेतु वीआईपी व्यवस्था की जाती है। यहां आने पर सभी श्रद्धालुओं को बैठने एवं मंदिर में दर्शन लाभ हेतु परेशान नहीं होना पड़ता है। मित्र मंडल के द्वारा श्रावण माह के पहले से ही आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी जाती है। इस वर्ष अभी श्रद्धालुओं को किसी भी तरह से परेशानी न हो जिसको लेकर पूरे इंतजाम किए गए थे।

सीईओ व्यास हुए रिलीव, नायब तहसीलदार अंसारी को मिला जनपद का चार्ज

जनपद के कर्मचारियों की ली बैठक, लगभग 100 सीएम हेल्पलाइन की शिकायते पेंडिंग

माही की गूंज, पेटलावद।

आखिरकार जनपद सीईओ अमित व्यास मंगलवार को रिलीव कर दिए गए। उनका स्थानंतरण आष्ट्र जिले के लिए पंचायत चुनाव से पूर्व हो गया था लेकिन आचार सहिता के कारण रिलीव नही हो पाए थे। चुनावी माहौल खत्म होने के बाद सीईओ व्यास के स्थानंतरण आदेश निरस्त होने की चर्चा भी थी। लेकिन 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर झंडा वंदन के लिए आए झाबुआ आए प्रभारी मंत्री इंदर सिंह परमार के सामने मामला आने के बाद तुरंत फुरन्त में सीईओ अमित व्यास को रिलीव कर दिया गया। फिलहाल सारंगी ठप्पे की नायब तहसीलदार प्रवीण बानो अंसारी को जनपद सीईओ को प्रभार दिया गया है। बुधवार को प्रभारी जनपद सीईओ नायब तहसीलदार अंसारी ने जनपद के सभी अधिकारीयो की बैठक लेकर विभाग के कार्यो की जानकारी ली।

100 के लगभग सीएम हेल्पलाइन पेंडिंग

सबसे बड़ी चुनोती सीएम हेल्पलाइन पर चल रही शिकायतो की है। वर्तमान में लगभग 100 शिकायतें पेडिग चल रही है जिसका निराकरण करने की चुनोती प्रभारी सीईओ आंसारी के पास रहेगी। साथ ही जनपद क्षेत्र की पंचायतो में भारी भ्रष्टाचार की कई शिकायतें जांच के लिए पेंडिंग पड़ी है।

नगर परिषद चुनाव का बज गया बिगुल...

आरक्षण के बाद राजनीतिक सरगर्मियां हुई तेज, दावेदारी को लेकर सोशल मीडिया पर उतरे कई दावेदार

ओबीसी की सीटे घटकर हुई 2, ओबीसी वर्ग में नाराजगी

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

नगर परिषद पेटलावद के लिए 15 वार्डों में वार्ड पार्षद के लिए आरक्षण प्रक्रिया मंगलवार को नगर परिषद सभाकक्ष में लाटरी सिस्टम से पूर्ण कर ली गई। इस दौरान एसडीएम आईएएस शिशिर गेमावत, तहसीलदार जगदीश वर्मा, नायब तहसीलदार परवीन बानो अंसारी, नगर परिषद सीएमओ सहित जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में लाटरी सिस्टम से वार्ड आरक्षण की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई।

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार नगर परिषद पेटलावद में चुनाव होने जा रहे हैं। इनमें 15 वार्डों के 11 हजार 817 महिला पुरुष मतदाता पार्षद का चयन करेंगे और बदली हुई नई नीति के तहत इस बार अध्यक्ष पद के लिए चुनाव नही होगा और 15 वार्डों के चुने हुए पार्षद अध्यक्ष को चुनेंगे। नगर परिषद के 15 वार्डों में से कुछ वार्डो की प्रक्रिया अनुसार पर्ची निकाली गई और आरक्षण तय किया गया।

अधिकारियों द्वारा बताया गया कि, अध्यक्ष पद के लिए आरक्षण की प्रक्रिया भोपाल से पहले ही तय हो चुकी है। जिसके अनुसार अध्यक्ष पद आदिवासी महिला के लिए आरक्षित पहले ही किया जा चुका है। ऐसा पहली बार है कि नगर परिषद की बागडोर आदिवासी महिला के हाथ मे होगी।

पिछड़ा वर्ग कोटे की सीटें हुई कम, मात्र दो सीटों से करना पड़ा संतोष

परिषद के चुनाव का बिगुल बजते ही मैदान में उतरने वाले प्रत्याशियों ने तैयारी शुरु कर दी है। इस बार सबसे ज्यादा निराशा पिछड़ा वर्ग के हाथ लगी जिनकी उपस्थित पिछले चुनाव के मुकाबले आधी हो गई। आरक्षण की प्रक्रिया के बाद सबसे ज्यादा नाराजगी पिछड़ा वर्ग के दावेदारों में देखने को मिल रही है। यहां नगर की जनसंख्या की गणना में लगभग 43 प्रतिशत हिस्सेदारी पिछड़ा वर्ग की थी जिससे उम्मीद थी की नगर में पिछड़ा वर्ग की सीटों में इजाफा होगा। वर्तमान परिषद में पिछड़ा वर्ग के लिए 4 सीटे आरक्षित थी, तो अब ओबीसी के लिए मात्र 2 सीटे ही रह गई है। जिसके कारण इस वर्ग के लोगो में भाजपा सरकार के प्रति काफी नाराजगी देखने को मिल रही है।

लोगो का कहना है कि, सरकार के कारण आज हमारे 4 आरक्षित वार्ड अब घटकर दो ही रह गए है। सरकार ओबीसी वर्ग के हित की बड़ी-बड़ी बाते करती है, लेकिन ओबीसी वर्ग के हित को खत्म करने में सरकार ने कोई कमी कसर नही छोड़ी है। ओबीसी के लिए वार्ड क्रमांक तय करने के लिए मौजूदा वार्डों को छोड़कर अनारक्षित के वार्डों में लॉटरी निकाल निर्धारण किए जाते हैं। फिर सभी वर्गों के वार्ड में महिलाओं के लिए लाटरी कर 50 प्रतिशत वार्ड आरक्षित किए जाते हैं। ओबीसी और अनारक्षित वार्डों में चक्रानुक्रम को भी ध्यान रखा जाता है। पिछड़ा वर्ग के पाले में आई दो सीट भी महिलाओं के लिए आरक्षित हो गई जिससे पिछड़ा वर्ग के पुरूष नेताओ को सीधे मैदान में उतरने की उम्मीदों को बड़ा झटखा लगा है।

आरक्षण ने बाद सोशल मीडिया पर मैदान में उतरने के हो रहे दावे, आरक्षण के बाद कई दावेदारों की उम्मीद पर फिरा पानी

नगर परिषद पेटलावद में वार्ड आरक्षण के बाद शहर में कई वार्ड के दावेदारों और वर्तमान पार्षदों का चेहरा फीका पड़ गया है, तो कई दावेदार सोशल मीडिया के माध्यम से अपने-अपने पसंद के वार्ड से मैदान में उतरने का दावा करते नजर आए। नए आरक्षण व्यवस्था के बाद अब कई दावेदारो ने नई जमीन की तलाश में अगल-बगल के वार्ड में अपनी चहलकदमी शुरू कर दी है। कई दावेदार वार्ड की समस्याओ को लेकर निराकरण करने के दावे कर रहे है तो कई वार्ड पार्षद समस्या के निदान को लेकर सक्रिय दिखने लगे हैं। कई वार्ड में आरक्षण में फेरबदल होगा गया है। वहीं कुछ वार्ड की स्थिति जस की तस है। कुछ लोगों में खुशी है तो कुछ दुखी भी हैं। कई वार्ड के वर्तमान पार्षद पुनः भाग्य आजमा सकते हैं। वहीं कई वार्ड जहां पूर्व में महिला सीट थी अब पुरूष व अन्य हो गई है। इससे कई लोगो के चेहरे मायूस है, क्योकि 5 वर्ष बाद वे इस बार चुनाव लड़ने का सपना देख रहे थे, लेकिन उनके सपने पर पूरी तरह से पानी फिर गया। जिसके कारण वे उदास है।

नगर के कई वार्ड आरक्षित होने के कारण वर्तमान पार्षद निराश हैं। लोगों की शिकायत है कि, अभी से वार्ड की समस्या व लोगों से पार्षद मुंह फेरने लगे हैं। जहां कुछ दिन पूर्व पुनः चुनाव का उत्साह पाले लोगों को रिझाने की तैयारी में थे वहीं आरक्षण लागू होते ही मायूस हो गए है।

इस प्रकार रहा वार्डो का आरक्षण

वार्ड क्रमांक,	वार्ड का नाम,	जनसंख्या,	आरक्षण
01,	जवाहर वार्ड,	1564,	अनारक्षित महिला
02,	जय किसान वार्ड,	547,	अनारक्षित महिला
03,	शास्त्री वार्ड,	689,	अजजा मुक्त
04,	जय प्रकाश वार्ड,	622,	पिछड़ा वर्ग महिला
05,	टेगौर वार्ड,	997,	अनारक्षित महिला
06,	चंद्रशेखर वार्ड,	556,	अनारक्षित मुक्त
07,	भगतसिंह वार्ड,	579,	अजजा महिला
08,	गांधी वार्ड,	2019,	अजा मुक्त
09,	सुभाष वार्ड,	356,	अनारक्षित मुक्त
10,	ठक्कर बापा वार्ड,	430,	अनारक्षित मुक्त
11,	तिलक वार्ड,	620,	अनारक्षित महिला
12,	इंदिरा वार्ड,	633,	अनारक्षित महिला
13,	अंबेडकर वार्ड,	818,	अजजा मुक्त
14,	पटेल वार्ड,	799,	पिछड़ा वर्ग महिला
15,	राजीव वार्ड,	588,	अजजा महिला

सबसे अधिक मतदाता वार्ड क्र. 8 में तो सबसे कम वार्ड क्र.9 में

कुल 15 वार्डों के 11 हजार 817 महिला-पुरुष मतदाता के बीच वार्डों में मतदाताओं की संख्या को लेकर बेहद अलग-अलग अंतर है। कई वार्डो में मतदाताओं की संख्या 500 से 800 के बीच है तो कुछ वार्डो में संख्या 500 से कम तो दो वार्ड ऐसे भी है जिनमे अन्य वार्डो के मुकाबले तीन से चार गुना तक है। परिषद का एक मात्र अजा वर्ग के लिए आरक्षित वार्ड क्रमांक 8 में सबसे अधिक मतदाता जिसमे 2019 है, जबकि सबसे कम मतदाता वार्ड क्रमांक 9 है जिसमे सबसे कम मात्र 356 मतदाता है। वार्ड क्रामक एक में भी एक हजार 564 मतदाता है। वार्ड नम्बर 8 ओर 01 में मिलाकर नगर के 33 प्रतिशत के लगभग मतदाता है।

हिन्दू, मुस्लिम व बोहरा समाज ने निकाली तिरंगा यात्रा

माही की गूंज, पारा।

मुस्लिम समाज की तिरंगा यात्रा।

आजादी की 75वी वर्षगांठ पुरे देश में अभियान के तहत एक त्यौहार के रूप में तिरंगा यात्रा निकाल कर मनाया जा रहा है, जिसमे देश भक्ति का गजब जज्बा देखने को मिल रहा है। सब से पहले शनिवार को जिला पंचायत के वार्ड क्रमांक 3 में हर्षिता वालसिंग मसानिया द्वारा तिरंगा यात्रा का आयोजन रखा गया। ग्राम रोटला से प्रारभ हुई तिरंगा यात्रा पारा के लखपूरा ग्राम स्थित राधा स्वामी आश्रम पहुची। इसी तिरंगा यात्रा में भाजपा जिला अध्यक्ष लक्षमण सिंह नायक, प्रकाश छाजेड़, अजजा जिला महामंत्री वाल सिंह मसानिया, पूर्व मंडल अध्यक्ष ओकार सिंह डामोर, वर्तमान मंडल अध्यक्ष संदीप सोनी उपस्थित थे।

भारत की आजादी के 75वे अमृत महोत्सव ओर हर घर तिरंगा अभियान के तहत रविवार सुबह नगर के मुस्लिम समाज व बोहरा समाज ने साथ मिलकर यात्रा निकाली। मुस्लिम समाज मुस्लिम पंच सदर सलेल खान पठान, मुस्लिम पंच के सेक्रेटरी सैयद सोकत अली, नायब सेक्रेटरी डॉ. अजहर कुरैशी के नेतृत्व में पारा ग्राम की जामा मज्जित इमाम मुक्ति सादिक हुसैन नईमी घोड़े पर तिरंगा लहराते चल रहे थे। यात्रा में मुस्लिम समाज के युवा अपने हाथो में तिरंगा ध्वज लिए हिन्दुस्तान जिंदाबाद का जय घोष करते हुए नगर की मुख्य गलियों में होते हुए यात्रा पुनः जामा माज्जित पहुंची।

इसी दौरान दोपहर पश्चात क्षेत्र के विधायक वालसिंह मैडा ने अपने समर्थों के साथ बाइक पर सवार होकर तिरंगा यात्रा निकाली। पारा नगर वासी ने भारत माता की पूजा अर्चना कर स्थानीय बस स्टेंड से तिरंगा यात्रा निकालते हुए यात्रा होली चौक होते हुए जय घोष के नारे के साथ सादर बाजार होते हुए पुनः बस स्टेंड पहुंची। यात्रा के दौरान स्थानीय बुआ स्टेंड पर गांव के वरिष्ठो ने देश के प्रति उद्बोधन दिया। सबसे बड़ी बात यही है कि, इस यात्रा में पुनः हिन्दू, मुस्लिम, बोहरा व अन्य समाज ने यात्रा में हिस्सा लिया। इस ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा में देश भक्ति का गजब का जज्बा देखा गया। भारत माता कि जय के साथ यात्रा का समापन किया गया।

- जिला पंचायत सदस्य वार्ड क्रमांक 3 हर्षिता मसानिया की तिरंगा यात्रा।

नगर वासियों ने निकाली तिरंगा यात्रा।

एक शाम वतन के नाम संगीत निशा का हुआ आयोजन

माही की गूंज, थांदला। रोटरी क्लब थांदला संजीवनी के तत्वाधान में आजादी का अमृत महोत्सव मनाते एक शाम वतन के नाम संगीत निशा का आयोजन किया गया। जिसमें देश के मशहूर ख्याति प्राप्त बांसुरी वादक विक्रम कनेरिया म्यूजिकल ग्रुप ने बांसुरी की सुमधुर तान पर देशभक्ति व पुराने नगमों की अनेक प्रस्तुतियां दी। उनके साथ आए प्रसन्न परसाई व चारवी जैन ने अपनी आवाज के जादू से सबका मन मोह लिया। पप्पू, नरेंद्र पुनवर, जितेन्द्रसिंह चूंडावत ने भी वाद्ययंत्रों से महफ़िल को यादगार बना दिया। देर रात तक फरमाइशों का दौर चलता रहा। नगर में पहली बार बांसुरी वादक के आने पर संस्था ने उनका पूरी टीम के साथ सम्मान किया।

बढ़ती वाहन चोरी की वारदातों को लेकर पुलिस को मिली सफलता

माही की गूंज, थांदला। बढ़ती वाहन चोरी की वारदातों को लेकर थांदला पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थांदल पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपी थांदला निवासी दीपक पिता शांतिलाल राठौड़ और चिरंजीवी पिता शांतिलाल राठौड़ है। ये दोनो सगे भाई है और साथ में वारदात को अंजाम देते है, दोनो पर पहले से चोरी, लूटपाट, मारपीट जैसे कई मुकदमे दर्ज हैं। बाइक चोरी के साथ ही दोनो अपराधी ने बेल चोरी की वारदात भी कबूली है।

थाना प्रभारी कौशल्या चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि, बीते दिनों थांदला नगर और आसपास से वाहन चोरी और मवेशी चोरी की घटनाएं बढ रही थी। आए दिन लोग वाहन चोरी की शिकायत को लेकर थाने पहुंच रहे थे।जिस पर थांदला थाने की स्पेशल टीम को अलर्ट किया गया और इलाके में संदिग्धों पर नजर रखने के निर्देश दिए गए। पुलिस ने थांदला में ही रहने वाले दो युवकों को शंका के आधार पर पकड़ा जिन्होंने थांदला में पिछले दिनों दो वाहन चोरी करना कबूला साथ ही दो बेलो की चोरी भी कबूल की हैं। पुलिस ने इन वाहन चोरों से पूछताछ के बाद चोरी की 2 बाइक बरामद की है। फिलहाल पुलिस इन आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पूछताछ के दौरान कई और खुलासे सामने आ सकते है।

उक्त कार्रवाई थाना प्रभारी कौशल्या चौहान के मार्गदर्शन में की गई। चोरों को पकड़ने में मुख्य भूमिका एचसीएम अमित बघेल, महेंद्र नायक आरक्षक अनिल चौहान, अक्षय भगोरा, रवि, सतेंद्र सोलंकी की रहीं।

आज़ादी के 75 वर्ष बाद भी ये हालात...

लेटना तो ठीक बैठ भी नही सकते, जगह-जगह गंदगी का आलम अस्पताल में

प्रसूता वार्ड की स्थिति और खराब, लाखो रुपए खर्च करने के बाद भी दयनीय स्थिति में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र

माही की गूंज, झाबुआ/कल्याणपुरा।

हम देश की आजादी का 75वां आज़ादी उत्सव मना चुके है। लेकिन आज भी हम आजाद नही है क्योकि करोड़ो रुपए खर्च करने के बाद भी सरकारें वो सुविधाएं आमजन तक नही पहुँचा पा रही है जो 75 वर्ष में पहुँच जानी थी। जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था धीरे-धीरे बेहतर होती जा रही है। सरकारी अस्पतालों में बढ़ती भीड़ के साथ सरकार और जिला प्रशासन स्वास्थ्य सुविधाओं और साफ-सफाई की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दे रही है, ताकि मरीज़ों को बेहतर सुविधाएं मिल सके। लेकिन उसके विपरीत जिले के कल्याणपुरा स्थिति सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की हालत भूतिया भवन की तरह पड़ी है। जहाँ इलाज करने के लिए मरीज और उनके परिजन जान जोखिम में डाल कर इलाज करवाने पर मजबूर है। यू तो कल्याणपुरा में नेताओ की कमी नही है लेकिन स्वास्थ्य केंद्र की हालत पर जब बात आती है तो ये कहकर चुप हो जाते है कि, जैसी भी है गाँव मे डॉक्टर की सुविधा है और बीएमओ साहब उपलब्ध हो जाते है। लेकिन बेहतर स्वास्थ्य सुविधा के नाम पर खुद नगरवासियो को नगर क्लिनिक खोल कर बैठे निजी डॉक्टरों या फिर बहार इलाज के लिए जाना ही ठीक समझते है और सरकारी अस्पताल का उपयोग केवल इमरजेंसी के लिये छोड़ रखा है। लेकिन ग्रामीण क्षेत्र से लोग यहां बडी संख्या में पहुँचते है जो मजबूरी में अव्यवस्थाओ के बीच इलाज कराने के लिए मजबूर है।

लेटना तो ठीक बैठना भी मुश्किल, लाखो के खर्च की बंदरबांट

अस्पताल की हालत इतनी दयनीय है कि, यहां लगे बेड पर मरीज का लेटना तो ठीक बैठना तक मुश्किल है। जगह-जगह गंदगी का आलम, पान गुटखे की पिक, कही जानवरों का मल, तो मरे हुए जानवर के पड़े होंना मामूली बात है। अस्पताल की दीवारों और छतों पर मकड़ी के जाले ही जाले बने हुए है। आखरी बार अस्पताल की सफाई कब हुई होगी ये भी नही पता चल पा रहा है। बेड पर बिछे चद्दर की हालत तो इतनी खराब है कि, पिछले 6 माह से शायद ही चद्दरों को धोया गया होगा। बदबू ओर अव्यवस्थाओ से परेशान मरीज ओर उनके परिजनों अस्पताल में कैसे समय बिताते है ये कहना भी मुश्किल है। जिले के छोटे से छोटे सरकारी अस्पताल तक आज की तारीख में साफ-सुधरे दिखते है, क्योंकि लाखो रुपये अस्पताल के मेंटेनेंस के लिए आते है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भी सफाई, सहित अन्य व्यवस्थाओ के लिए एजेंसी ने काम ले रखा है। लेकिन यहां आने वाली राशि बंदरबांट के जरिए भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती है जिसके चलते अस्पताल की हालत खराब ही रही है।

इंफेक्शन का खतरा मरीज और परिजनों को

अस्पताल में लापरवाही का आलम बेड तक ही सीमित नही बल्कि पीने के पानी में लापरवाही, असुविधा, गंदे शौचालय, दुर्घटना में घायल मरीज़ों की ड्रेसिंग और साफ-सफाई वाली पट्टियों का यहां-वहां पड़े रहने के कारण मरीजों और उनके साथ आने वाले परिजनों को हमेशा इंफेक्शन का डर बना रहता है। कोरोना वायरस से बचने के लिए आसपास साफ-सफाई और इंफेक्शन से बचने के लिए कहा जा रहा है। लेकिन कल्याणपुरा के सरकारी हॉस्पिटल में कोरोना सहित इंफेक्शन से होने वाली सैकड़ो बीमारियों को खुला निमंत्रण मिल रहा है।

अस्पताल में हो रही लापरवाही पर बीएमओ का कहना है कि, व्यवस्था सुधारने की पूरी कोशिश कर रहे है। पर उनकी बातों से लगता है उनका अधीनस्थ स्टाफ उनकी सुनता ही नही। जिस पर जिला कलेक्टर ओर जिला स्वास्थ्य अधिकारी को कार्रवाई करनी पड़ेगी।

प्रसूती वार्ड की स्थिति भी खराब

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत बहुत बड़ा क्षेत्र इसके दायरे में आता है। इसलिए बड़ी संख्या में मरीज खास कर प्रसूता महिलाएं बड़ी संख्या में आती है लेकिन अस्पताल के प्रसूता वार्ड की हालत भी ऐसी ही है। जहाँ कई प्रसूताओं को नवजन्मे बच्चों के साथ बहार बरामदे में ही सोना पडता है। अव्यवस्था और लापरवाही यहाँ भी आसनी से देखी जा सकती है।

निजी प्रैक्टिस और बंगालियों डॉक्टरों के मज़े

ऐसा नही की नगर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद ही एक मात्र इलाज की व्यवस्था है। यहां फैली अव्यवस्था का पूरा लाभ निजी प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों ओर बंगाली डॉक्टरों द्वारा लिया जा रहा है। जो सुबह-शाम इस गाँव मे इलाज के नाम पर अपनी दुकान सजाते है और शाम को घर दूसरे शहर में चले जाते हैं।

यहां निजी क्लिनिको पर मरीजों की भीड़ आसानी से देखी जा सकती है जो प्रशासन की मिली भगत ओर महीना बंदी के दम पर बेधड़क इलाज़ कर रहे है। जिले की अयोध्या कहे जाने वाले कल्याणपुरा नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की हालत बिल्कुल ही राम भरोसे है जहाँ जाने का मतलब जान जोखिम में डालना है। जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने जिले के अस्पताल को आइकॉन बनाने के लिए हर प्रकार की सुविधा ओर व्यवस्था कर रहे है, लेकिन जिले के अन्य स्वास्थ्य केंद्र पर साहब की कृपा दृष्टि कब होगी, जिससे नगरवासियों सहित क्षेत्र के ग्रामीणों को भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सके।

- अस्पताल के अंदर की व्यवस्थाओं के फोटो देख कर अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि इस प्रकार की लापरवाही सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कल्याणपुरा में बरती जा रही है।

संपादकीय

अमृतकाल में विकसित राष्ट्र के लक्ष्य का स्वरूप तय हो

नि:संदेह, इस वर्ष का स्वतंत्रता दिवस इस मायने में खास था कि, देश ने आजादी के 75 वर्ष पूरे किए। इसे अमृत महोत्सव का नाम दिया गया था। पूरे देश में हर घर तिरंगा अभियान से इस महोत्सव में राष्ट्रीयता का रंग भरने का सार्थक प्रयास भी हुआ। लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने अगले पच्चीस वर्षो के लिए पांच संकल्पों के जरिए देशवासियों में उत्साह भरने का प्रयास तो जरूर किया। लेकिन कार्यपालिका के मुखिया होने के नाते उम्मीद थी कि, वे बताएंगे कि अगले पच्चीस वर्ष के लिए देश का विकास का मूलमंत्र क्या होगा। नि:संदेह, उनके द्वारा बताए गए पांच संकल्प लोगों में आशावाद तो भरते हैं लेकिन देश के विकास का प्रारूप पेश नहीं करते। वहीं दूसरी ओर उन्होंने भ्रष्टाचार व भाई-भतीजावाद पर तीखे हमले किए। इस बाबत उन्होंने देश के नागरिकों को भी जागरूक होने का आह्वान किया। नि:संदेह, भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद के चलते प्रतिभाओं को उनका मुकाम नहीं मिलता। उनकी प्रतिभा कुंठित होती है। लेकिन यह हमारे तंत्र पर सवालिया निशान है कि, क्यों पिछले 75 वर्षो में हम देश को भाई-भतीजावाद व भ्रष्टाचार से मुक्त नहीं कर पाए। कहने के साथ ही भ्रष्टाचार के जड़ से उन्मूलन की भी गंभीर कोशिश होनी चाहिए। वहीं आलोचक यह भी कहने लगे कि, प्रधानमंत्री ने चुनावी महासमर का एजेंडा तय कर दिया है और अगला आम चुनाव भ्रष्टाचार व भाई-भतीजावाद के मुद्दों पर ही लड़ा जाएगा। बहरहाल, एक बात तो तय है कि, भ्रष्टाचार के उन्मूलन के लिए जहां राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत होती है, वहीं देशवासियों को भी भ्रष्टाचार के खिलाफ डटकर खड़ा होना होगा। आखिर गंभीर अपराधों में लिप्त व अदालत द्वारा सजा दिए जाने के बाद कोई व्यक्ति कैसे चुनकर फिर जनप्रतिनिधि सभाओं में काबिज हो जाता है। यही वजह है कि, प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार उन्मूलन में जनता का सहयोग मांगा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि, किसी को रहने के लिए घर नहीं मिलता और किसी के पास चोरी का माल रखने की जगह नहीं है।

प्रधानमंत्री ने अगले पच्चीस वर्षो के लिए पांच संकल्पों का आह्वान किया है, जिसमें हमारी भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए। इन पांच संकल्पों में देश को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में प्रयत्नशील होना, किसी भी तरह की गुलामी से मुक्त होना, अपनी विरासत पर गर्व करना, देश में एकजुटता लाना तथा एक नागरिक के रूप में अपने कर्तव्य निभाना शामिल हैं। नागरिक कर्तव्यों के आह्वान के रूप में एक अच्छी बात उन्होंने यह भी कही कि, बिजली व पानी पहुंचाना सरकारी मशीनरी का दायित्व है लेकिन उसका किफायती उपयोग करना किसान व आम आदमी की जिम्मेदारी है, ताकि सुविधा का दुरुपयोग न हो। दूसरे सामाजिक जीवन में महिलाओं की गरिमा बनाए रखने पर उन्होंने जोर दिया। निश्चित रूप से आज भारतीय नारी जीवन के हर क्षेत्र में परचम लहरा रही है लेकिन देश विकसित राष्ट्र की दहलीज में तभी कदम रख सकता है जब हम लैंगिक भेदभाव से मुक्त होकर महिलाओं को वास्तव में बराबरी का दर्जा दें। अब चाहे यह घर में बेटा-बेटी की बात हो या सार्वजनिक जीवन में महिलाओं से हमारा व्यवहार हो, वह समतामूलक व गरिमामय होना जरूरी है। लेकिन भारत जैसे लोकतांत्रिक देश के लिए यह अनिवार्य शर्त है कि, देश को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य विपक्ष के रचनात्मक सहयोग के बिना संभव न होगा। वहीं विविधता के इस देश में सभी संस्कृतियों व धर्मों का भी पूरा सम्मान जरूरी है। हमारे धर्मनिरपेक्ष स्वरूप को भी अक्षुण्ण रखना जरूरी होगा। यह भी जरूरी है कि, केंद्र सरकार देश को 25 वर्ष में विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य स्पष्ट रूप से जनमानस के सामने रखे तथा उसके क्रियान्वयन के लिए ठोस रूपरेखा भी बने। यह भी जरूरी है कि, इसके लिए देशवासियों में सकारात्मकता का संचार किया जाए। तभी देश एक विकसित राष्ट्र के रूप में ढलने के लिए तैयार होगा। साथ ही हमें एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में भी अपने दायित्वों का ईमानदारी से पालन करना होगा।

प्रतीक नहीं हकीकत बने समता का समाज

विश्वनाथ सचदेव

पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाले नौ साल के इंद्र का जन्म कथित वंचित समाज वाली जाति वाले एक परिवार में हुआ था, और इस 'अपराध' की सजा उसे इसी वर्ष बीस जुलाई को मिली। कमतर जाति में जन्मने के कारण उसे यह अधिकार नहीं था कि वह स्कूल के कथित सामंती सोच के अध्यापक के लिए निर्धारित मटके का पानी पी सके। जाने-अनजाने में उसने यह अधिकार पाने की कोशिश की और, कहते हैं, सज़ा देने वाले अध्यापक ने उसे इतनी बुरी तरह से पीटा कि डॉक्टरों की सारी कोशिशों के बावजूद 13 अगस्त को यानी स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव वाले दिन से मात्र 2 दिन पहले इंद्र की मृत्यु हो गयी। हालांकि पुलिस का यह कहना है कि अभी तक उसे इस बात का पुख्ता सबूत नहीं मिला है कि उसकी पिटाई इसी कारण से हुई थी, पर गांव के लोगों और इंद्र के साथ पढ़ने वाले बच्चों में से कुछ का कहना है कि पुलिस झूठ बोल रही है, इन पर दबाव डाला जा रहा है कि वे इंद्र के साथ हुई मारपीट की गवाही न दें।

इस मामले की सच्चाई कुछ भी हो, पर हकीकत यह भी है कि देश में दलितों के साथ इस प्रकार के अत्याचार आजादी पाने के 75 वर्ष बाद भी हो रहे हैं। आये दिन इस तरह की घटनाएं घटती रहती हैं। संसद में सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, वर्ष 2018-2020 के दौरान देश में दलितों पर अत्याचार के एक लाख 29 हजार मामले दर्ज हुए थे, जिनमें सर्वाधिक मामले उत्तर प्रदेश में हुए। इसके बाद बिहार और मध्य प्रदेश का नंबर आता है। देश के बाकी राज्यों में यह संख्या अपेक्षाकृत कम है। लेकिन हकीकत यह भी है कि दलितों अथवा निम्नतर समझी जाने वाली जातियों के खिलाफ होने वाले मामलों में कमी आने के बजाय, यह संख्या बढ़ती जा रही है। हमारे नेता, हमारी सरकारें इस संदर्भ में आश्वासन अवश्य देते रहे हैं, पर यह कोरे आश्वासनों वाली परंपरा का ही हिस्सा हैं। इस हकीकत को भी याद रखा जाना ज़रूरी है कि ऐसे दर्ज मामलों के मात्र बीस प्रतिशत ही किसी निर्णय तक पहुंच पाते हैं। आधे से अधिक मामले तो सामाजिक दबावों के चलते बीच में ही दम तोड़ देते हैं।

उम्मीद की जानी चाहिए कि, राजस्थान के जालोर जिले के गांव में रहने वाले बालक इंद्र की 'हत्या' का यह मामला तार्किक परिणति तक पहुंचेगा। पर, उम्मीद तो यह भी थी कि स्वतंत्रता दिवस से मात्र दो दिन पहले हुई नौ वर्षीय बच्चे इंद्र की मौत की घटना सत्ताशीर्ष तक भी पहुंचेगी और वे लालकिले से दिये गये राष्ट्र के नाम संबोधन में इसकी चर्चा होगी। पर ऐसा हुआ नहीं। यूं तो यह भी अपने आप में इस तरह की एक और घटना मात्र है, पर आज़ादी के अमृत-काल की शुरुआत में घटी यह घटना देश और समाज के सामने मुंह बाये खड़े मुद्दों का एक दर्दनाक उदाहरण है- और इस बात की याद भी दिलाती है कि विकास की परिभाषा में कहीं न कहीं सामाजिक विषमता का यह मुद्दा भी शामिल होना चाहिए। दुर्भाग्य से, जब भी विकास की बात होती है, रोटी, कपड़ा और मकान तक सीमित रह जाती है। या फिर हमारे नेता सड़कों की बात करते हैं, हर घर में

शौचालय और नल-जल की दुहाई देने लगते हैं। हां, यह सभी ज़रूरी है हमारे विकास के लिए, पर यही विकास नहीं है। कहीं न कहीं सामाजिक सोच भी हमारे विकास की समझ का हिस्सा बनना चाहिए। सामाजिक विषमता का अभिशाप हमारे जीवन से बाहर जाये, यह मानवीय विकास की एक महत्वपूर्ण शर्त है। विकास का जो राजमार्ग हमने अपने लिए चुना है, वहां तक पहुंचने के लिए जिन गलियों से होकर गुजरना होता है, उनकी नितांत उपेक्षा हो रही है। हम यह भी याद नहीं रखना चाहते हैं कि समता और बंधुता के आधार पर खड़ा संविधान देने वाले बाबा साहेब अंबेडकर ने चेतावनी दी थी कि यदि हमने सामाजिक स्वतंत्रता की ओर ध्यान नहीं दिया तो हमारी राजनीतिक स्वतंत्रता भी खतरे में पड़ जायेगी। उन्होंने यह भी कहा था कि हम अपने ही लोगों द्वारा धोखा दिये जाने और गद्दारी करने के कारण पहले भी अपनी स्वतंत्रता खो चुके हैं, और गद्दारी सिर्फ राजनीतिक नहीं होती। सच तो यह है कि सामाजिक समानता के विरोधी अथवा उसकी उपेक्षा करने वाले भी गद्दार हैं। आज हमें धोखा देने वालों में वे सब भी शामिल हैं जो जाति या धर्म और वर्ण-वर्ग के आधार पर सामाजिक विषमता की खाई लगातार चौड़ी कर रहे हैं।

यह सही है कि, समय-समय पर सामाजिक विषमता को कम करने का आह्वान हमारे मार्ग-दर्शकों, मनीषियों ने किया है, पर हमने उनकी बातों को कितना सुना और समझा है? सामाजिक दृष्टि से पिछड़ों को विकास की दौड़ में अपने साथ खड़ा करने के लिए उनका हाथ पकड़ना जरूरी है। पर इससे कहीं ज़रूरी है इस अहसास को अपने भीतर जगाना कि वे जिन्हें हम अथवा समाज का अग्रणी समझा जाने वाला तबका पिछड़ा या अस्पृश्य अथवा अपने से नीचा मानता है, हमारी तरह मनुष्य हैं। उन्हें किसी भी दृष्टि से अपने से कमतर समझने का मतलब अपने आप को धोखा देना है, मनुष्यता के प्रति अपराध करना है।

नीची मानी जाने वाली जाति का होने के कारण जालोर के सुरना गांव के इंद्र को एक ऐसे अपराध की सजा भुगतनी पड़ी जो उसने कभी किया ही नहीं था। अपराधी इंद्र नहीं, वे सब हैं जो सामाजिक विषमता में विश्वास करते हैं। इंद्र के पिता देवाराम मेघवाल का कहना है कि उन्हें आज भी, यानी 21वीं सदी में भी, बाल कटवाने के लिए घर से कई मील दूर जाना पड़ता है, क्योंकि गांव का 'नाई' उन्हें नीचा मानता है। बाल कटवाने के लिए कई मील दूर जाने की इस सजा की इंद्र द्वारा भुगती 'सजा' से कोई तुलना नहीं हो सकती, पर ऊंच-नीच की यही अवधारणा हमारे समाज को बांट रही है। इसके चलते ही हमारा समाज कमज़ोर होता जा रहा है, या मज़बूत नहीं हो पा रहा है। इस सच्चाई को हमारा नेतृत्व कब समझेगा?

स्वतंत्रता-दिवस के उद्?बोधन में 'इंद्र' का नाम न लिया जाना सिर्फ एक चूक नहीं है। सच तो यह है कि हमारी सामाजिक चेतना को जंग लगता जा रहा है। यह सच है कि आज एक दलित, आदिवासी महिला हमारी राष्ट्रपति हैं। इस पर गर्व कर सकते हैं हम। यह दलितों के विकास का एक प्रतीक हो सकता है, पर यह प्रतीक मात्र है। प्रतीक का वास्तविक बनना ज़रूरी है। यह तब होगा जब किसी इंद्र का अपने कथित सवर्ण अध्यापक के मटके से पानी पीना अपराध नहीं माना जायेगा, जब किसी देवाराम को बाल कटवाने के लिए मीलों दूर नहीं जाना पड़ेगा।

निर्मम बाजार नहीं नाकामी का यार

आलोक पुराणिक

मुझे अब चिंता होने लगी है, विराट कोहली की बैटिंग परफारमेंस की चिंता ज्यादा नहीं है। चिंता यह है कि देर-सवेर वो वाला टायर यह न कहे उठे कि अब विराट कोहली हमारा वाला टायर यूज नहीं करते, इसलिए उनकी परफारमेंस ठीक सी न जा रही है। वो वाला शैंपू कहीं यह न कह उठे कि अब विराट कोहली हमारा वाला शैंपू यूज न कर रहे हैं, तो उनकी परफारमेंस ठीक नहीं हो रही है। विराट कोहली जब हिट और फिट होते हैं, तब ही वह खास शैंपू और वह खास टायर यूज कर रहे होते हैं, जब वह फ्लाप हो रहे होते हैं, तब उन्हे अकेला छोड़ दिया जाता है। भईया अब खुद निपट लो। कामयाबी के पचास बाप और सौ ब्रांड होते हैं, विफलता का एक भी बाप या एक भी ब्रांड नहीं होता। नीरज चोपड़ा बरसों बरस कितनी मेहनत से लगे रहे, अब खेल के बड़े स्टार हो गये हैं। एक कोल्ड ड्रिंक ने उन्हें राजी कर लिया है कि वह अपनी कामयाबी का क्रेडिट उस कोल्ड ड्रिंक को दें। शुभकामनाएं नीरज चोपड़ा, पर मूल सवाल यह है कि अगर कभी नीरज चोपड़ा उतने कामयाब न रहें, तो भी क्या वह वाला कोल्ड ड्रिंक उन्हें अपना मानता रहेगा क्या।

बाजार बहुत निर्मम होता है। एक वक्त में शूटिंग शर्टिंग वाला ब्रांड वीरेंद्र सहवाग को अपना मानता था। फिर वीरेंद्र सहवाग का खेल कमजोर पड़ने लगा, तो उस शर्टिंग वाले ने उनकी शर्ट उतारकर किसी और खिलाड़ी को पहना दी। विराट कोहली कहीं यूं अकेले न पड़ जायें।

बैटिंग खराब-अच्छी तो चलती रहती है। बैटिंग का क्या है। मूल बात है कि ब्रांड कहीं नहीं जाने चाहिए। ब्रांडों से क्रिकेटर की वैल्यू बनती है।

दरअसल, ब्रांड-पेंशन जैसा कुछ होना चाहिए। ठीक बंदा अब ठीक काम नहीं कर रहा है, तो क्या है। कभी तो बढ़िया परफारमेंस दी थी, तो उसका लिहाज करके वो वाला ब्रांड उसे पूरी लाइफ फ्री में मिलना चाहिए-ब्रांड-पेंशन जैसा कुछ इंतजाम होना चाहिए। यह क्या जब बंदे के पास शर्टिंग-सूटिंग के लिए रकम कम बचे, तो वही शूटिंग-शर्टिंग वाले आकर बतायें कि इस बंदे की शानदार परफारमेंस थी कभी और उसके लिए हमारी शूटिंग-शर्टिंग को क्रेडिट देता था यह। अब भले ही यह वैसा न खेल पा रहा हो, पर है अपना ही बंदा-टाइप कुछ बातें करनी चाहिए ब्रांडों को।

बाजार बहुत निर्मम होता है। चलती नाम का गाड़ी, चलते के साथ ब्रांड। बुजुर्ग खिलाड़ी गावस्कर इस सब चक्कर से बचे रह गये, क्योंकि उनके वक्त इस तरह के मौके थे ही नहीं कि खिलाड़ी अपने खेल का क्रेडिट तमाम ब्रांडों को दें गावस्कर की कुछ कामयाबियों का श्रेय उस दौर के एक तौलिया ब्रांड को मिला था। फिर मोटे तौर पर क्रिकेटर की परफरामेंस उसकी अपनी निजी कामयाबी और नाकामयाबी मानी जाती थी। उससे पता है कि न ब्रांड उसके सहारे हैं वो ब्रांडों के सहारे है।

मोदी के भाषण पर विवाद

लाल किले से हर 15 अगस्त को प्रधानमंत्री लोग जो भाषण देते हैं, उनसे देश में कोई विवाद पैदा नहीं होता। वे प्रायः विगत वर्ष में अपनी सरकार द्वारा किए गए लोक-कल्याणकारी कामों का विवरण पेश करते हैं और अपनी भावी योजनाओं का नक्शा पेश करते हैं। लेकिन इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण के लगभग एक घंटे के हिस्से पर किसी विरोधी ने कोई अच्छी या बुरी टिप्पणी नहीं की लेकिन सिर्फ दो बातों को लेकर विपक्ष ने उन पर गोले बरसाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। कांग्रेसी नेताओं को बड़ा एतराज इस बात पर हुआ कि, मोदी ने महात्मा गांधी, नेहरु और पटेल के साथ-साथ इस मौके पर वीर सावरकर और श्यामाप्रसाद मुखर्जी का नाम क्यों ले लिया? चंद्रशेखर, भगतसिंह, बिस्मिल आदि के नाम भी मोदी ने लिए और स्वातंत्र्य-संग्राम में उनके योगदान को प्रणाम किया। क्या इससे नेहरुजी की अवमानना हुई है? कतई नहीं। फिर भी सोनिया गांधी ने एक गोल-मोल बयान जारी करके मोदी की निंदा की है। कुछ अन्य कांग्रेसी नेताओं ने सावरकर को पाकिस्तान का जनक बताया है। उन्हें द्विराष्ट्रवाद का पिता कहा है। इन पढ़े-लिखे हुए नेताओं से मेरा विनम्र अनुरोध है कि वे सावरकर के लिखे ग्रंथों को एक बार फिर ध्यान से पढ़ें। पहली बात तो यह है कि, सावरकर और उनके भाई ने जो कुर्बानियां की हैं और अंग्रेजी राज के विरुद्ध जो साहस दिखाया है, वह कितना अनुपम है। इसके अलावा अब से लगभग 40 वर्ष पहले राष्ट्रीय अभिलेखागार से अंग्रेजों के गोपनीय दस्तावेजों को खंगालकर सावरकर पर लेखमाला लिखते समय मुझे पता चला कि अब के कांग्रेसियों ने उन पर अंग्रेजों से समझौते करने के निराधार आरोप लगा रखे हैं। यदि

सावरकर इतने ही अछूत हैं तो प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने मुंबई में बने उनके स्मारक के लिए अपनी निजी राशि से दान क्यों दिया था? हमारे स्वातंत्र्य-संग्राम में हमें क्रांतिकारियों, गांधीवादियों, मुसलमान नेताओं यहां तक कि मोहम्मद अली जिन्ना के योगदान का भी स्मरण क्यों नहीं करना चाहिए? विभाजन के समय उनसे मतभेद हो गए, यह अलग बात है। कर्नाटक के भाजपाइयों ने नेहरु को भारत-विभाजन का जिम्मेदार बताया, यह बिल्कुल गलत है। मोदी की दूसरी बात परिवारवाद को लेकर थी। उस पर कांग्रेसी नेता फिजूल भन्नाए हुए हैं। वे अब कुछ भाजपाई मंत्रियों और सांसदों के बेटों के नाम उछालकर मोदी के परिवारवाद के आरोप का जवाब दे रहे हैं। वे बड़ी बुराई का जवाब छोटी बुराई से दे रहे हैं। बेहतर तो यह हो कि भारतीय राजनीति से 'बापकमाई' की प्रवृत्ति को निर्मूल करने का प्रयत्न किया जाए। विपक्ष को मोदी की आलोचना का पूरा अधिकार है लेकिन वह सिर्फ आलोचना करे और मोदी द्वारा कही गई रचनात्मक बातों की उपेक्षा करे तो जनता में उसकी छवि कैसी बनेगी? ऐसी बनेगी कि जैसे खिसियानी बिल्ली खंभा नोचती है। विपक्ष में बुद्धि और हिम्मत होती तो भाजपा के इस कदम की वह कड़ी भर्त्सना करता कि उसने 14 अगस्त (पाकिस्तान के स्वाधीनता दिवस) को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के तौर पर मनाया। अब तो जरुरी यह है कि भारत और पाक ही नहीं, दक्षिण और मध्य एशिया के 16-17 देश मिलकर 'आर्यावर्त्त' के महान गौरव को फिर लौटाएं।

भगवान श्री कृष्ण जन्माष्टमी

विद्यावाचस्पति डॉ.अरविन्द प्रेमचंद जैन

''जीवन में हार-जीत लगी रहती है लेकिन सफलता सिर्फ उसी व्यक्ति को मिलती है जो अपनी गलतियों और हार से सीख लेकर आगे बढ़े। हारकर निराश होना किसी भी समस्या का हल नहीं है।'' वर्तमान में श्रीकृष्ण की शिक्षा की अत्यंत आवश्यकता हैं। कारण जो समस्यायें वर्तमान में हैं वे ही समस्याएं तत्समय में भी थी, पर श्रीकृष्ण ने विपरीत परिस्थितियों में अपने आपको कैसे सम्हाले के लिए उनकी शिक्षाएं आज भी कारगर हैं।

जन्माष्टमी का त्यौहार श्री कृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। मथुरा नगरी में असुरराज कंस के कारागृह में देवकी की आठवीं संतान के रूप में भगवान श्रीकृष्ण भाद्रपद कृष्णपक्ष की अष्टमी को पैदा हुए। उनके जन्म के समय अर्धरात्रि (आधी रात) थी, चन्द्रमा उदय हो रहा था और उस समय रोहिणी नक्षत्र भी था। इसलिए इस दिन को प्रतिवर्ष कृष्ण जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है।

जन्माष्टमी कथा

द्वापर युग के अंत में मथुरा में उग्रसेन राजा राज्य करते थे। उग्रसेन के पुत्र का नाम कंस था। कंस ने उग्रसेन को बलपूर्वक सिंहासन से उतारकर जेल में डाल दिया और स्वयं राजा बन गया। कंस की बहन देवकी का विवाह यादव कुल में वासुदेव के साथ निश्चित हो गया। जब कंस देवकी को विदा करने के लिए रथ के साथ जा रहा था तो आकाशवाणी हुई, हे कंस! जिस देवकी को तू बड़े प्रेम से विदा कर रहा है उसका आठवाँ पुत्र तेरा संहार करेगा। आकाशवाणी की बात सुनकर कंस क्रोध से भरकर देवकी को मारने के लिए तैयार हो गया। उसने सोचा -न देवकी होगी न उसका कोई पुत्र होगा।

वासुदेव जी ने कंस को समझाया कि, तुम्हें देवकी से तो कोई भय नहीं है। देवकी की आठवीं संतान से भय है। इसलिए मैं इसकी आठवीं संतान को तुम्हे सौंप दूँगा। कंस ने वासुदेव जी की बात स्वीकार कर ली और वासुदेव-देवकी को कारागार में बंद कर दिया। तत्काल नारद जी वहाँ आ पहुँचे और कंस से बोले कि यह कैसे पता चलेगा कि आठवाँ गर्भ कौन-सा होगा। गिनती प्रथम से शुरू होगी या अंतिम गर्भ से। कंस ने नारद जी के परामर्श पर देवकी के गर्भ से उत्पन्न होने वाले समस्त बालकों को एक-एक करके निर्दयतापूर्वक मार डाला।

भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को रोहिणी नक्षत्र में श्रीकृष्ण जी का जन्म हुआ। उनके जन्म लेते ही जेल की कोठरी में प्रकाश फैल गया। वासुदेव-देवकी के सामने शंख, चक्र, गदा एवं पदमधारी चतुर्भुज भगवान ने अपना रूप प्रकट कर कहा, अब में बालक का रूप धारण करता हूँ। तुम मुझे तत्काल गोकुल में नन्द के यहाँ पहुँचा दो और उनकी अभी-अभी जन्मी कन्या को लेकर कंस को सौंप दो। वासुदेव जी ने वैसा ही किया और उस कन्या को लेकर कंस को सौंप दिया।

कंस ने जब उस कन्या को मारना चाहा तो वह कंस के हाथ से छूटकर आकाश में उड़ गई और देवी का रूप धारण कर बोली कि मुझे मारने से क्या लाभ है? तेरा शत्रु तो गोकुल पहुँच चुका है। यह दृश्य देखकर कंस हतप्रभ और व्याकुल हो गया। कंस ने श्रीकृष्ण को मारने के लिए अनेक दैत्य भेजे। श्रीकृष्ण जी ने अपनी आलौकिक माया से सारे दैत्यों को मार डाला। बड़े होने पर कंस को मारकर उग्रसेन को राजगद्दी पर बैठाया।

जन्माष्टमी का महत्व

1. इस दिन देश के समस्त मंदिरों का श्रृंगार किया जाता है। 2. श्री कृष्णावतार के उपलक्ष्य में झाकियाँ सजाई जाती हैं। 3. भगवान श्रीकृष्ण का श्रृंगार करके झूला सजा के उन्हें झूला झुलाया जाता है।

स्त्री-पुरुष रात के बारह बजे तक व्रत रखते हैं। रात को बारह बजे शंख तथा घंटों की आवाज से श्रीकृष्ण के जन्म की खबर चारों दिशाओं में गूँज उठती है। भगवान कृष्ण जी की आरती उतारी जाती है और प्रसाद वितरण किया जाता है।

कृष्ण जन्माष्टमी का मुहूर्त

1. अष्टमी पहले ही दिन आधी रात को विद्यमान हो तो जन्माष्टमी व्रत पहले दिन किया जाता है।

2. अष्टमी केवल दूसरे ही दिन आधी रात को व्याप्त हो तो जन्माष्टमी व्रत दूसरे दिन किया जाता है।

3. अष्टमी दोनों दिन आधी रात को व्याप्त हो और अर्धरात्रि (आधी रात) में रोहिणी नक्षत्र का योग एक ही दिन हो तो जन्माष्टमी व्रत रोहिणी नक्षत्र से युक्त दिन में किया जाता है।

4. अष्टमी दोनों दिन आधी रात को विद्यमान हो और दोनों ही दिन अर्धरात्रि (आधी रात) में रोहिणी नक्षत्र व्याप्त रहे तो जन्माष्टमी व्रत दूसरे दिन किया जाता है।

5. अष्टमी दोनों दिन आधी रात को व्याप्त हो और अर्धरात्रि (आधी रात) में दोनों दिन रोहिणी नक्षत्र का योग न हो तो जन्माष्टमी व्रत दूसरे दिन किया जाता है।

6. अगर दोनों दिन अष्टमी आधी रात को व्याप्त न करे तो प्रत्येक स्थिति में जन्माष्टमी व्रत दूसरे ही दिन होगा।

जन्माष्टमी व्रत व पूजन विधि

1. इस व्रत में अष्टमी के उपवास से पूजन और नवमी के पारणा से व्रत की पूर्ति होती है।

2. इस व्रत को करने वाले को चाहिए कि व्रत से एक दिन पूर्व (सप्तमी को) हल्का तथा सात्विक भोजन करें। रात्रि को स्त्री संग से वंचित रहें और सभी ओर से मन और इंद्रियों को काबू में रखें।

3. उपवास वाले दिन प्रातः स्नानादि से निवृत होकर सभी देवताओं को नमस्कार करके पूर्व या उत्तर को मुख करके बैठें।

4. हाथ में जल, फल और पुष्प लेकर संकल्प करके मध्यान्ह के समय काले तिलों के जल से स्नान (छिड़ककर) कर देवकी जी के लिए प्रसूति गृह बनाएँ। अब इस सूतिका गृह में सुन्दर बिछौना बिछाकर उस पर शुभ कलश स्थापित करें।

5. साथ ही भगवान श्रीकृष्ण जी को स्तनपान कराती माता देवकी जी की मूर्ति या सुन्दर चित्र की स्थापना करें। पूजन में देवकी, वासुदेव, बलदेव, नन्द, यशोदा और लक्ष्मी जी इन सबका नाम क्रमशः लेते हुए विधिवत पूजन करें।

6. यह व्रत रात्रि बारह बजे के बाद ही खोला जाता है। इस व्रत में अनाज का उपयोग नहीं किया जाता। फलहार के रूप में कुट्टू के आटे की पकौड़ी, मावे की बर्फ़ी और सिंघाड़े के आटे का हलवा बनाया जाता है।

जीवन में आगे बढ़ने के लिए और अपनी अलग पहचान बनाने के लिए यदि आपको क्रांतिकारी बनना पड़े तो इससे पीछे न हटें। कहने का सीधा मतलब ये है कि जरूरत के हिसाब से खुद में बदलाव करें और समाज के बारे में न सोचते हुए अपने काम पूरे करें।

जीवन में दोस्तों की भूमिका बहुत अहम होती है। हम हमेशा यही सुनते हैं कि दोस्तों की पहचान हमेशा मुश्किल वक्त में ही होती है। जिस तरह भगवान कृष्ण ने पांडवों के मुश्किल वक्त में उनका साथ दिया था, वैसे ही आपको भी अपने दोस्तों का साथ देना चाहिए। इसके साथ ही आपको ऐसे ही दोस्त बनाने चाहिए जो आपके मुश्किल वक्त में आपके साथ खड़े रहें।

जीवन में हार-जीत लगी रहती है लेकिन सफलता सिर्फ उसी व्यक्ति को मिलती है जो अपनी गलतियों और हार से सीख लेकर आगे बढ़े। हारकर निराश होना किसी भी समस्या का हल नहीं है।

किसी भी परिस्थितियों से लड़ने के लिए उसके लिए एक बेहतर रणनीति बनाना बहुत जरूरी है। बिना रणनीति के आप हर मोर्चे पर कामयाब नहीं हो पाएंगे। यदि पांडव भी श्री कृष्ण द्वारा बनाई गई रणनीति का पालन नहीं करते तो शायद कौरवों के खिलाफ हुए युद्ध में उन्हें जीत नहीं मिलती।

जीवन में सफलता हासिल करने के लिए आपकी सोच दूरदर्शी होनी चाहिए। इसके साथ ही जीवन में आने वाली विकट परिस्थितियों का आकलन करना भी आपको आना चाहिए।

व्यक्ति के जीवन में आए दिन मुश्किल परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। श्री कृष्ण पांडवों को बताते हैं कि हमें खराब हालातों में हार मानने के बजाए उनका सामना करना चाहिए। क्योंकि ऐसा करने से ही हमारे मन में बैठा डर खत्म होगा और जब एक बार डर निकल जाता है तो व्यक्ति किसी भी हालात को सफलतापूर्वक पार कर सकता है।

जीवन में सफल बनने के लिए व्यर्थ की चिंता के साथ-साथ भविष्य के बारे में भी नहीं सोचना चाहिए। हमें हमेशा अपने वर्तमान को बेहतर बनाना चाहिए। यदि आप अपने वर्तमान को संवार लेते हैं तो आपका भविष्य अपने आप ही बेहतर बन जाएगा। इसके अलावा जीवन में कभी भी अनुशासनहीन नहीं होना चाहिए।

आज के इस समय में लोग अपनी आय के हिसाब से खर्च करते हैं। लेकिन ऐसे में जरूरत पड़ने पर उनके पास पैसे नहीं होते। किसी भी तरह की मुश्किल आर्थिक परिस्थितियों से बचने के लिए हमेशा सोच-समझकर खर्च करना चाहिए। कभी भी ऐसी चीज खरीदने में पैसा खर्च न करें, जिसकी आपको जरूरत न हो।

फर्जी दस्तावेजों के आधार पर वाहन फायनेंस कर बेच रहे आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, मंदसौर।

पुलिस अधीक्षक मंदसौर अनुराग सुजानिया द्वारा जिले में अपराधिक गतिविधियो पर अंकुश लगाने हेतु अपराधिक तत्व की धरपकड के संदर्भ में प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देष दिए गए थे। जिसके तारतम्य में पुलिस थाना नई आबादी के द्वारा गोतम सिह सोंलकी, अति. पुलिस अधीक्षक मंदसौर एवं सतनाम सिह, नगर पुलिस अधीक्षक मंदसौर के मार्गदर्शन तथा जितेन्द्र सिंह सिसौदिया, थाना प्रभारी थाना नई आबादी के कुषल नेतृत्व में फर्जी दस्तावेजो के आधार पर वाहन फायनेंस करा कर बेच रहे आरोपी को गिरफ्तार करने मे सफलता मिली है।

थाना नई आबादी को मुखबीर सुचना प्राप्त हुई कि, एक व्यक्ति फर्जी दस्तावेजो से मोटर साईकिल फायनेंस कराकर सस्ते दामो में अन्य व्यक्ति को बेच कर धोखाधडी कर रहा है। सूचना पर थाना नई आबादी से पुलिस टीम रवाना होकर मुखबीर सुचना अनुसार सीतामउ फाटक पहुंची। जहां पर एक व्यक्ति जिसका नाम विनोद पिता शंभुलाल जाति खारोल निवासी खारोल मोहल्ला थाना नाहरगढ का मिला जो पुलिस को देखकर घबराने लगा। जिसे रोककर हिकमतअमली से पुछताछ करते उसके द्वारा फर्जी दस्तावेजो से मोटर साईकिले फायनेंस करवाना व फायनेंस करवाई गई मोटर साईकिलो को कम दामो मे अन्य लोगो को बेच कर धोखाधडी करना व अवेध लाभ अर्जित करना बताया।

आरोपी द्वारा 3 गाडी अपने घर पर छुपाकर रखना भी बताया। मोके पर पुलिस द्वारा आरोपी विनोद से मोटर साईकल होंडा शाईन किमती 50 हजार विधिवत जप्त की जाकर आरोपी विनोद का कृत्य धारा 420 भादवि के अंतर्गत दंडनीय होने से थाना नई आबादी पर आरोपी के विरुद्ध अप क्र 211/20 धारा 420 का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। उक्त कार्रवाई में जितेन्द्र सिंह सिसौदिया, थाना प्रभारी नई आबादी, सउनि गजानंद शर्मा, प्रआर 116 रमीज राजा, प्रआर 653 गगन राठोर, आर 807 कन्हेयालाल मीणा, उनि संजय प्रताप सिह, प्रआर 236 भानु प्रताप सिह व प्रआर 121 अर्जुन सिह का योगदान रहा।

गांव-गांव से निकली विशाल तिरंगा वाहन रैली, पिपलोदा मंडी से हुआ शुभारंभ

माही की गूंज, रतलाम/पिपलौदा।

75 वॉ स्वराज अमृत महोत्सव समिति द्वारा नगर में विशाल तिरंगा वाहन यात्रा निकाली गई। यात्रा का शुभारंभ कृषि उपज उपमंडी प्रांगण से हुआ, जहां राज्यमंत्री भरत दास बैरागी, गुरुदेव दिनेश व्यास नीलकंठ धाम घटवास, महंत गंगेश्वर गिरिजी महाराज अवदुत जूना अखाड़ा द्वारा भारत माता के चित्र पर मालार्पण, दीपप्रज्वलन कर किया गया। साथ ही सामूहिक राष्ट्रगीत व राष्ट्रगान हुआ। अमृत वचन अभिषेक जैन ने दिया व एकल गीत माधव राव ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत मे भारत माता की आरती के पश्चात वाहन यात्रा प्रारंभ हुई। जो नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरी, यात्रा का जगह जगह भव्य स्वागत हुआ। हजारो की संख्या में अपने हाथों में तिरँगा ध्वज लिए युवाओ ने भारत माता की जय व वंदे मातरम के नारे लगाए। इस दौरान पूरा नगर देशभक्ति से सराबोर हो गया।

भूत पूर्व सैनिकों का किया सम्मान

समिति द्वारा अमर शहीद मोहन सिंह झाला की धर्मपत्नी श्रीमति शीर कुंवर झाला, नगर व क्षेत्र के भूत पूर्व सैनिक कान्हा धनगर, भरत धनगर, मुकेश नागर, देवेंद्र नागर, अश्विन परमार, विनोद प्रजापत, धर्मेंद्र सिंह सिसोदिया, अम्बिका प्रताप सिंह, महेंद्र सिंह सिसोदिया, राजेंद्र सिंह चन्द्रावत, विनोद पाटीदार, गिरधारी लाल आदि का पुष्प माला व तिरँगा रूपट्टा पहनाकर सम्मान किया।

जगह-जगह हुआ यात्रा का स्वागत

नई आबादी अम्बे चौक पर उमेश पर्वत गोश्वामी, मदनलाल चौहान, झंडा चोक पर भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेंद्र सिंह गुडरखेड़ा, नारायण धनगर, नाका न. 2 पर नरेंद्र जैन, जवाहर चोक पर श्याम बिहारी पटेल मित्र मंडल, चमन चौराहे पर करणी सेना के जीवन सिंह शेरपुर मित्र मंडल द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

विभिन्न ग्रामो से यात्रा के रूप में पहुचे वाहन

विशाल तिरंगा यात्रा में सम्मिलित होने के चार उपखण्ड के ग्राम कंचनखेड़ी, हतनारा, नांदलेटा, मचुन, बड़ोदा, आम्बा, शेरपुर, गुडरखेड़ा, सरसाना, गणेशगंज, खेड़ावदा, चाचरी, कमलाखेड़ा, आक्या, शुजापुर, भाटखेड़ी, पंचेवा, नोलखा, धामेडी, पिण्डवासा, राकोदा, मावता, रियावन, कालूखेड़ा, बछोड़िया, चिपिया, उपरवाड़ा, बडायला, बोरखेड़ा, सोहंनगड़ हनुमान पालिया से वाहन पिपलौदा मंडी प्रांगण पहुचे। आयोजन में समिति के लक्ष्मीनारायण पाटिदार, अम्बालाल राव, देवीलाल धनगर, अशोक जाट, राहुल राठौड़, प्रफुल जैन, सुमित पटेल, विश्वास जाट, गोवर्धन जाट, राम मकाती,पवन धनगर, मनोज पाटिदार आदि उपस्थित थे। संचालन कैलाश नारायण भाटी ने किया आभार लक्की परिहार ने माना उक्त जानकारी दिलीप पाटिदार द्वारा दी गई।

नगर पालिका पर कई वर्षो के बाद भाजपा का कब्जा

माही की गूंज, सारंगपुर (राजगढ़/ब्यावरा)।

शुजालपुर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय पूर्व विधायक जसवंत सिंह हाडा को भारतीय जनता पार्टी ने राजगढ़ जिले की सारंगपुर नगर पालिका में नगर पालिका चुनाव के लिए प्रभारी मनोनीत किया था। जहां की व्यवस्थाओं को देखकर वहां की नगर सरकार बनाना असंभव था। लेकिन उस असंभव व्यवस्थाओं को भी प्रभारी श्री हाड़ा ने संभव कर दिखाया। हाड़ा ने पार्षदों के साथ एक बैठक आयोजित की जिसमे श्री हाड़ा ने ऐसी चाल चली कि मानो सारी शतरंज की चाल भाजपा के पक्ष में आ गई। जबकि भारतीय जनता पार्टी के पास केवल 6 ही पार्षद थे लेकिन वह एक ही बैठक में 6 से 10 पार्षद हो गए और सारंगपुर की नगर सरकार भारतीय जनता पार्टी की बन गई। जिसके चलते पूरे राजगढ़ प्रभारी जसवंत सिंह हाडा आज जिले भर में लोग तारीफ करते दिखाई दे रहे हैं। क्योंकि उक्त नगर पालिका में जो चुनाव असंभव था उसे संभव करके दिखाया। इसीलिए हाड़ा की शतरंज की चाल और उनके द्वारा बिछाई गई बिसात की लोग तारीफ करने लगे हैं।

एक दिवसीय दौरे पर राज्यपाल हेलीकॉप्टर से बंजली हवाई पट्टी पर उतरे, महापौर ने किया स्वागत

माही की गूंज, रतलाम।

म.प्र. के राज्यपाल मंगूभाई छगनभाई पटेल बुधवार को रतलाम पहुंचे। रतलाम आगमन पर राज्यपाल का महापौर एवं प्रथम नागरिक प्रहलाद पटेल सहित अन्य ने स्वागत किया। उन्होंने सैलाना में विद्यार्थियों से संवाद भी किया।

राज्यपाल मंगूभाई पटेल एक दिवसीय दौरे पर रतलाम आए थे। वे बुधवार दोपहर करीब डेढ़ बजे हेलीकॉप्टर से बंजली हवाई पट्टी पहुंचे। यहां उनकी अगवानी महापौर प्रहलाद पटेल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर की। यही नहीं उन्होंने राज्यपाल के पैर भी छुए। राज्यपाल पटेल ने महापौर को यशस्वी होने का आशीर्वाद दिया। जिला प्रशासन की ओर से उनका स्वागत कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने भी किया। इस मौके पर डीआईजी सुशांत सिंह राजपूत एवं एसपी अभिषेक तिवारी सहित अन्य मौजूद रहे। यहां से राज्यपाल कार्यक्रमों में शिरकत करने सैलाना प्रस्थित हो गए। राज्यपाल सैलाना में शासकीय कन्या शिक्षा परिसर में पहुंचे। यहां बालिकाओं से चर्चा की। आदिवासी संस्कृति के प्रतीक वाद्य यंत्रों खानपान वेशभूषा इत्यादि की प्रदर्शनी का अवलोकन किया संस्कृति की जानकारी प्राप्त की कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आशीष दशोत्तर ने किया। राज्यपाल द्वारा सैलाना में स्वयं सहायता समूह द्वारा आयोजित प्रदर्शनी एवं एनीमिया सिकलसेल कैंप का अवलोकन भी किया। उन्होंने सिकल सेल कैंप उपचार कार्यक्रम में आए लोगों को संबोधित कर इसके महत्व की जानकारी दी।

युवाओं ने जान जोखिम में डालकर गर्भवती महिला को पहुंचाया एंबुलेंस तक

माही की गूंज, शाजपुर।

जिले में लगातार हो रही बारिश से नदी नाले उफान पर है, तो कई जगह ग्रामीण क्षेत्रों का शहरी क्षेत्रों से संपर्क टूट चुका है। वही ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक बारिश होने की वजह से पुल के ऊपर अधिक पानी निकल रहा है जिससे ग्रामीण क्षेत्रों से अवगम पूरी तरह से आना बंद हो गया है।वही जिले के ग्राम ईचिवाड में नाले का तेज गति से पुल के ऊपर बह रहा था। जहा गांव की गर्भती महिला को गांव के समाज सेवक युवाओं के द्वारा जान की बाजी लगाकर महिला को खटिया पर लेटा कर एंबुलेंस तक पहुंचा।

समाज सेवक पिंटू परमार ने बताया कि, हमारे गांव ईचिवाडा निवासी सिद्धू प्रजापति की लड़की ज्योति प्रजापति को आचनक डिलेवरी के दर्द आने के कारण 108 पर एंबुलेंस को बुलवाया। लेकिन पुल पर अधिक पानी होने की वजह से एंबुलेंस घर तक नही आ सकी। तभी गांव के समाज सेवक युवाओं के द्वारा मरीज को खाट के ऊपर लेटाकर पुल पर करवाया और एंबुलेंस तक पहुंचाया गया।

जिसमें पूर्व सरपंच महेंद्र परमार, पिंटू परमार, मनोज परमार, अरुण परमार एवं गांव के कई समाज सेवक की अहम भूमिका रही।

पक्की सड़क को मोहताज ग्राम के लोग बारिश में जान जोखिम में डाल कर चल रहे

माही की गूंज, अलीराजपुर।

यूं तो कहने को पूरे देश में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है लेकिन आदिवासी अलीराजपुर जिले के कुछ ग्रामों की सड़कें अभी भी अपने पक्के होने का इंतजार कर रही हैं।

अलीराजपुर की रामसिंह की चौकी पटेल फलिया और कोटवाल फलिया के मुख्य मार्ग करीब एक किमी मार्ग आजादी से अब तक पक्का नहीं बना। आरसीसी रोड की आवश्यकता बारिश के मौसम में व रोड बहुत ही किचड़, गढढों से उबड़ खाबड है। जिसके कारण राहगीरों को आने जाने में कई कठिनाई ओ का सामना करना पड़ रहा। जिसमे पैदल चलने में भी कठिनाई

का सामना करना पड़ रहा। उक्त मार्ग स्कूल से जुड़ा है। इसलिए छोटे-छोटे बच्चो को स्कूल जाने में किचड, गढढों में गिरते पडते आना जाना पड़ रहा है। जिसमे बच्चों को चोट लगने का खतरा बना रहता है। कीचड़ ज्यादा होने से बच्चे स्कूल जाने से वंचित हो रहे है। खस्ताहाल रोड़ से किसान को परेशानी का सामना करना पड़ रहा। जिसमे फसल लाने ले जाने के लिए बेलगाडी का उपयोग करना पड़ता है कई बार बेलगाड़ी अनाज से भी पलट गई है। मंगलवार को ग्रामीण के लोग कलेक्ट्रेट पहुंच कर जनसुनवाई में रोड़ बनवाने के लिए आवेदन दिया गया।

अखण्ड भारत दिवस एवं आजादी की 75 वी वर्षगांठ पर तिरंगा यात्रा का हुआ आयोजन

माही की गूंज, अलीराजपुर। आजादी का अमृत महोत्सव को लेकर बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में उत्साह देखा गया। जिले में चल रहे स्वराज अमृत महोत्सव घर-घर तिरंगा यात्रा को लेकर सभी समाजन द्वारा तिरंगा वाहन रैली रविवार शाम 7 बजे सगरवंशिय माली समाज द्वारा विशाल तिरंगा वाहन रैली निकाली गई। रैली में समाजजन बड़ी संख्या में शामिल हुए। जिसमे डीजे पर देश भक्ति गीत पर समाजजन झूमते नजर आये जो वंदे मातरम, भारत माता की जय घोष करते हुए चल रहे थे। यात्रा माली समाज धर्मशाला से शुरू की गई जो नगर के प्रमुख मार्ग, बस स्टैंड, निम चौक, बहारपुरा, रामदेव मंदिर, टॉकीज चौराहा, हाटगली, रणछोड राय मार्ग होते हुए पुनः माली मोहल्ले पहुँची। जहाँ माली समाज धर्मशाला में तिरंगा यात्रा का समापन वंदेमातरम गीत गायन कर समाज बंधु द्वारा सावधान में रहकर के भारत माता को वंदेमातरम गीत समर्पित कर किया गया। यात्रा में समाज अध्यक्ष मधु मोहन माली, उपाध्यक्ष रामलाल माली समाज मुख्या रतनलाल माली, महिला मंडल अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय फुले ब्रिगेड माली समाज युवा संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित थे। उक्त जानकारी समाज मीडिया प्रभारी संजय गेहलोद ने दी।

हर्षोल्लास के साथ मनाई आजादी की 75वीं वर्षगांठ

माही की गूंज, भानपुरा। आजादी की 75वी वर्षगांठ 15 अगस्त भानपुरा तहसील व नगर मे बडे ही हर्षोल्लास व राष्ट्रीयता कि भावना के साथ मनाई गई। नगर सहित पूरे क्षेत्र में जगह-जगह पर राष्ट्रीय ध्वज फहराए गए। भानपुरा नगर मे मुख्य समारोह नगर परिषद पर हुआ, जहा नगर परिषद के नव निर्वाचित अध्यक्ष विनोद भानपिया ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया व मुख्यमत्रीं के सदेशं का वाचन किया। जनपद पचायतं मे अध्यक्ष विजय पाटीदार ने ध्वज फहराया गया। दोनो जगह प्रदेश के पुर्व मत्रीं सुभाष सोजतिया उपस्थित रहे। साथ ही पार्षद गण, जनपद प्रतिनिधी गण भी उपस्तिथ रहे।

जिला मुख्यालय के कुम्हारवाड़ा एवं सौरवा नाका में चल रही मौत की अवैध दुकान

बंगाली डाक्टर कर रहे लोगों की जान से खिलवाड़, स्वास्थ्य विभाग बना मुकदर्शक

माही की गूंज, अलीराजपुर। इरशाद मंसूरी

आदिवासी बाहुल्य जिले में इन दिनो बिना डिग्री लिए झोलाछाप डॉक्टर लोगो का इलाज बेखोफ होकर कर रहे है। जिला मुख्यालय के कुम्हारवाड़ा एवं सौरवा नाका क्षैत्र में बंगाली डॉक्टरों का मायाजाल बिछता जा रहा है। मगर जिला प्रशासन ओर स्वास्थ विभाग का अमला हाथ पर हाथ धरे बैठा है। इन बंगाली डॉक्टरों ने अपने क्लीनिंक चालू रखे ओर मरीजो का उपचार भी किया लेकिन इन पर कार्रवाई नही हुई। न जाने क्यो इन पर जिला प्रशासन ओर स्वास्थ्य विभाग इतना मेहरबान हो रहा और आज भी जिला मुख्यालय पर प्रशासन को चुनौती देते हूए ये बंगाली डॉक्टर मरीजों का खूलेआम उपचार कर रहे है।

जब इस संबंध मे जिले के सीएमएचओ प्रकाश ढोके से बात की जाती है तो उनका एक ही जवाब रहता है कि हमारे पास स्टॉफ की कमी है, पूलिस प्रशासन का सहयोग नही मिलता। मगर यहाँ पूलिस की क्या जरूरत है। स्वयं सीएमएचओ पूरी टीम के साथ पहूंचकर एक बंगाली डाक्टर पर कार्रवाई नही कर सकते क्या। लेकिन ऐसा नही होता सिर्फ एक दूसरे पर ढोल कर लोगों की जान से खिलवाड़ किया जा रहा है।

किसी बडी अनहोनी को निमंत्रण दे रहा प्रशासन

गौरतलब है कि, बंगाली डॉक्टरों के उपचार के दोरान अगर किसी मरीज की मौत हो जाए या कूछ ओर घटना घटीत हो जाए तो जिला प्रशासन या पूलिस विभाग इन बंगाली डॉक्टर को ढूंड भी नही पायेंगे। क्योकी इनकी जानकारी स्वयं स्वास्थ्य विभाग के पास भी नही है कि जिले मे कितने बंगाली डॉक्टर मोत कि दूकान सजाकर बैठे हैं। पहले ही लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ के एक दो मामले नहीं अपितु सैंकड़ों है, लेकिन इन नीम-हकीमों के खिलाफ किसी तरह की कार्यवाही नहीं की जा रही है। स्वयं को रजिस्टर्ड चिकित्सक बताकर मरीजों की जान के साथ खिलवाड़ करने वाले झोलाछाप नीम-हकीमों के खिलाफ कार्यवाही नहीं होने के कारण इनके हौंसलें दिनों दिन बुलंद होते जा रहे हैं। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग की ओर से इन पर कठोर कार्यवाही नहीं करने के कारण इन्होंने गांव-गांव में क्लीनिक लगा रखे हैं। क्षेत्र में गुजराती, बंगाली, यूनानी तरीके से इलाज का दावा कर रहे झोलाछाप मरीजों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं, लेकिन स्वास्थ्य विभाग की टीम की इन पर अभी तक मेहरबान है। जिससे लोगों के

स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने का धंधा इनका ओर भी तेजी से बढ़ता जा रहा है।

खुलेआम हॉर्डिंग्स रेडक्रॉस चिह्न का भी हो रहा उपयोग

इन झोलाछाप को चिकित्सा विभाग से नाममात्र का डर नहीं है। बिना किसी डिग्री के खुद को डॉक्टर बताते हैं। साथ ही खोली जाने वाली अपने दुकानों के आगे एवं सड़क मार्ग पर खुलेआम हॉर्डिंग्स लगाकर इनका प्रचार-प्रसार भी करते हैं। होर्डिंग्स पर रेडक्रास के चिह्न का उपयोग करते हुए डॉक्टर का बोर्ड लगाकर दुकान खोलकर बैठे है। शहर व ग्रामीण क्षेत्र भी अब पूरी तरह से झोलाछाप की गिरफ्त में चुका है। शहर की हर गली में झोलाछाप खुलेआम बिना कोई डर के ईलाज कर रहा है लेकिन चिकित्सा विभाग इस पर मौन है। इसके साथ उपखंड क्षेत्र के हर ग्राम में झोलाछापों का डेरा है, जिसकी जानकारी अधिकारी को भी है, लेकिन कार्यवाही नहीं की जा रही है।

विभाग नहीं कर रहा कार्रवाई

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग कई बार लोगों को इनके खिलाफ कार्रवाई को लेकर अपील की जाती है। जिसके बाद अधिकारी भी बैठक में झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए निर्णय लिए जाते हैं तथा बैठक में विभाग के अलग-अलग शाखा के अधिकारियों की टीम गठित कर कार्रवाई को अंजाम देने के लिए रणनीति बनाई जाती है, लेकिन फिर यह टीम क्षेत्र में नकारा साबित हो रही है। यह झोलाछाप चिकित्सक शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में अंग्रेजी दवाओं के साथ प्रेक्टिस करने वाले डॉक्टर की डिग्री दवाइयां का रजिस्ट्रेशन लेकर धड़ल्ले से काम रहे हैं। चिकित्सा विभाग की ओर से अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

नर्सिंगहोम एक्ट का उल्लंघन

इन झोलाछापों ने तो बाकायदा अपना क्लीनिक और नर्सिंग होम भी घर दुकान में ही बना रखा है। सुबह हो या रात वे हर समय मरीज का गंभीर रोग का उपचार करते हैं। ऑपरेशन तक कर रहे हैं। कई झोलाछाप तो प्रसव भी करवा रहे हैं। मामूली डिग्री के बाद भी ये बड़ी से बड़ी बीमारी का इलाज करने का दावा कर मरीजों से मोटी रकम ऐंठ रहे हैं। क्षेत्र में कई झोलाछाप तो दसवीं पास भी नहीं है। जो अनुभव का झांसा देकर लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। वहीं इनकी एक ही निडल का बार-बार उपयोग कर संक्रमण को और फैलाने का काम कर हैं। चिकित्सा विभाग की ओर से इनके खिलाफ कार्यवाही नहीं किए जाने के पीछे कई सवाल उठ रहे हैं। चिकित्सा विभाग कई बार छापे मारता है, लेकिन उनके हाथ कुछ नहीं लगता है। एक भी झोलाछाप डॉक्टर को भी नहीं पकड़ा गया। सूचना मिलने से पहले ही झोलाछाप क्लीनिक बंद करके फरार हो जाते हैं। इसका सीधा मतलब यह भी है कि कहीं स्वास्थ्य विभाग के कुछ कर्मचारी या अधिकारी इन फर्जी डॉक्टर से मिलिभगत है।

स्कूल में बच्चों को नहीं दिया जा रहा मध्यान्ह भोजन

जयस कार्यकर्ताओं ने एसडीएम को की शिकायत

माही की गूंज, पेटलावद।

बुधवार को ग्राम पंचायत करडावद के ठिकरिया ग्रामीणों व जयस कार्यकर्ताओ ने एसडीएम कार्यालय पहुँच कर स्कूल में मध्यान्ह भोजन नही मिलने की शिकायत दर्ज करवाई। जयस कार्यकर्ताओ ने बताया कि, ठिकरिया में कक्षा एक से 8 तक मिडिल स्कुल है जिसमे गाँव के लगभग 200 बच्चे वर्तमान में अध्ययनरत है। सरकार द्वारा गरीब बच्चों को स्कुल में शिक्षा के साथ-साथ मध्यान भोजन की व्यवस्था कि गई है। ठिकरीया की मिडिल स्कूल में तेजाजी स्व. सहायता समुह द्वारा मध्यान भोजन देने की जिम्मेदारी ले रखी है। जिसको शासन के मेन्यु अनुसार गरीब आदिवासी बच्चों को समय पर भोजन देना है। ग्रामीण जन मंगलवार को जब स्कुल पर पहुंचे तो पता चला कि, स्कुल मे भोजन का कार्य करने वाला समुह बच्चो को भोजन नहीं दे रहा है और जब मन करता है भोजन दे देते है वो भी मन माने ढंग से, जिसका शासन के मेन्यु से कोई लेना-देना नही होता है।

मंगलवार को जब ग्रामीण स्कुल में पहुँचे तो बच्चों को भोजन में सुखे चावल दिये गये थे। जब इस विषय में समुह संचालक से पूछा तो उसका कहना है कि, सरकार हमको दे नही रही है जितना चाहिये, हम तो हमारे खर्च से सेवा कर रहे है। जबकि समुह को स्कुल मे दर्ज संख्या के अनुसार मध्यान भोजन योजना का भुगतान और सोसाइटी के माध्यम से अनाज मिल रहा है।

वही स्कूल के शिक्षक का कहना है कि, सरकार समुह के खाते में पैसा दे रही है हमको नही पता भोजन क्यो नही देते। जयस संगठन द्वारा मामले एसडीएम को ज्ञापन देकर कार्यवाही की मांग कर ग्रामीण क्षेत्र के बच्चो को शासन की योजना का सही लाभ स्कुल के बच्चो दिलाने की मांग की है।

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक सम्पन्न

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को जल जीवन मिशन अंतर्गत जिले के दुर्गम क्षेत्रों में स्थित, अल्प पेयजल उपलब्धता वाले चिन्हित 74 ग्रामों में हर घर जल प्रदाय हेतु विस्तृत कार्य योजना निर्माण हेतु जिला जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्यों की बैठक का आयोजन कलेक्टरेट सभागृह बड़वानी में किया गया।

बैठक के दौरान कलेक्टर श्री वर्मा द्वारा इन दुर्गम ग्रामों में हर घर जल प्रदाय हेतु चिन्हित ग्रामों में निर्मल नीर के कुओं को भी पेयजल स्त्रोत के रुप में प्रस्तावित करने के निर्देश दिए। जिन ग्रामों में नवीन कुओं की आवश्यकता हो तो उन ग्रामों में अभिसरण के तहत आवश्यक कार्यवाही कर नवीन कुऐं निर्माण किये जाये। इस हेतु जनपद पंचायतों से समन्वय किया जाये तथा जनपद पंचायतें, सरपंच एवं सचिव तथा विभागीय अमले व संबंधित विभागों के साथ जनपद स्तर पर सर्वसम्मति एवं तकनीकी रुप से पेयजल स्त्रोत चयन करें। तदनुसार योजना प्रस्ताव बनाने हेतु उपस्थित सदस्यों एवं विभागों को निर्देशित किया गया।

साथ ही पेयजल स्त्रोत के आस-पास भूजल संवर्धन की संरचनाओं के निर्माण हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाऐ। इन ग्रामों में पेयजल स्त्रोत हेतु ग्रामपंचायत/जल संसाधन के स्त्रोतों का सर्वे भी किया जाए। जिन ग्रामों में वर्तमान में तालाब नहीं हैं, उन्हें प्राथमिकता से लेते हुए तालाब निर्माण संबंधित विभाग द्वारा करवाए जाऐं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अनिल डामोर द्वारा संबंधित विभागों को ग्राम-पंचायत के सरपंच/सचिवो के साथ विकासखंड स्तरीय बैठक रख कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, मप्र जल निगम, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, कृषि, वन विभाग के जिला अधिकारी एवं कर्मचारी, समस्त जनपदों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा जल जीवन मिशन अंतर्गत आयएसए संस्था, तृतीय पक्ष निरीक्षण संस्था के पदाधिकारी उपस्थित हुए।

परिवार परामर्श केंद्र में हुआ जागरूकता शिविर का आयोजन

माही की गूंज, बड़वानी।

विज्ञान ने इतनी उन्नति की है कि शरीर के किसी भी अंग को बदला जा सकता है लेकिन मस्तिष्क की यदि चोट होती है तो मस्तिष्क में किसी भी तरह का कोई बदलाव नहीं किया जा सकता है इसलिए वाहन चलाते समय सावधानी बरतें। हमारा लाइसेंस, गाड़ी के कागज, वाहन का बीमा अनिवार्य रूप से कराएं।

उक्त बाते पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला के निर्देशन में परिवार परामर्श केंद्र में विभिन्न गांवों से ग्रामीणजनों को कानूनी संबंधी जानकारी देते हुए परिवार परामर्श केन्द्र की काउंसलर श्रीमती अनिता चोयल ने कही। इस दौरान उन्होने ग्रामीणजनों को साइबर अपराधों से बचने, शराब पीकर वाहन चलाने, दो सवारी से अधिक ना बैठे, हेलमेट अवश्य पहनकर वाहन चलाने के बारे मे बताया। यातायात नियमों की जानकारी देकर दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने के बारे में समझाया। किसी भी दुर्घटना से घायल व्यक्ति की मदद कर उसे अस्पताल पहुंचाए।

शिविर के दौरान ग्रामीणजनों को नेक व्यक्ति योजना के बारे में भी बताया गया। योजना के तहत पुलिस अधीक्षक के द्वारा जांच उपरांत 5 हजार की राशि देने का भी प्रावधान है। इस अवसर पर परिवार परामर्श केंद्र की काउंसलर श्रीमती अनीता चोयल, आरक्षक जमना, सालकराम विभिन्न गांवों से आए ग्रामीणजन उपस्थित थे।

जिला महिला चिकित्सालय में प्रारंभ हुई लिफ्ट सुविधा

माही की गूंज, बड़वानी। जिला महिला चिकित्सालय बड़वानी में महिलाओं की सुविधा के लिए लिफ्ट सुविधा प्रारंभ हो गई है। अब गर्भवती महिलाओं एवं प्रसव के पश्चात् महिलाओ को सीढ़ियों पर चढ़कर नही जाना होगा, बल्कि वे सुविधाजनक ढंग से लिफ्ट के माध्यम से एसएनसीयू वार्ड, जनरल वार्ड में आ-जा सकेगी। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिता सिंगारे ने लिफ्ट का पूजन कर महिलाओं की सुविधा के लिए इसे प्रारंभ किया। इस दौरान सिविल सर्जन डॉ. मनोज खन्ना, आरएमओ उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री शिवराजसिंह वर्मा द्वारा 04 अगस्त को जिला महिला चिकित्सालय का भ्रमण कर सिविल सर्जन डॉ. मनोज खन्ना को महिलाओ की सुविधा के लिए लिफ्ट सुविधा प्रारंभ करने के निर्देश दिये थे। इस दौरान सिविल सर्जन द्वारा बताया गया था कि तकनीकी खराबी होने से लिफ्ट बंद है। सिविल सर्जन द्वारा तकनीशियन को बुलाकर महिलाओं के लिफ्ट सुविधा प्रारंभ कर दी है।

मां तुझे प्रणाम योजनान्तर्गत चयन समिति की बैठक का हुआ आयोजन

लाटरी के माध्यम से किया गया युवाओं का चयन

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला की उपस्थिति में बुधवार को मां तुझे प्रणाम योजनान्तर्गत चयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान योजना के अंतर्गत युवाओं का चयन लाटरी के माध्यम से कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा पर्ची उठाकर किया गया। जिला खेल अधिकारी रूपसिंह कलेश से प्राप्त जानकारी अनुसार जिले के युवाओं को भारत की अंतराष्ट्रीय सीमा से अवगत कराने के लिये ''मॉ तुझे प्रणाम'' योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना के अन्तर्गत युवाओं को भारत की अंतराष्ट्रीय सीमा पर सैन्य गतिविधियों तथा दिनचर्या से अवगत कराया जायेगा। साथ ही राष्ट्र के प्रति समर्पण, नेतृत्व विकास पर मार्गदर्शन दिया जायेगा। इसमें योजना के अंतर्गत जिले के प्रत्येक विकासखण्ड स्तर पर श्रेष्ठ 10 युवाओं (5 युवक एवं 5 युवतियां) का चयन भारत की अन्तराष्ट्रीय सीमाओं में से किसी एक स्थल की अनुभव यात्रा के लिये किया गया है। विकासखण्ड स्तर पर होने वाले चयन में 01 एन.सी.सी., 01 एन.एस.एस., 01 खिलाडी, 1 मेधावी छात्र, 1 स्काउट एवं इसी मान से युवतियां जिनकी आयु 15 से 25 वर्ष तक की हो का चयन किया गया है। इस दौरान जिला स्तरीय चयन समिति के अध्यक्ष कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा, सदस्य पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला, जिला शिक्षा अधिकारी, समन्वयक नेहरू युवा केन्द्र नितेश कुमार, एन.सी.सी., एन.एस.एस., स्काउट गाईड के जिला प्रभारी एवं जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी उपस्थित थे।

वारंटी शंकर गिरफ्तार, चुराई गई दो मोटरसाइकल की जब्त

माही की गूंज, बड़वानी।

थाना सेंधवा शहर पुलिस द्वारा नाईट काम्बिंग गश्त के दौरान शहर के गुण्डे निगरानी बदमाशों को चैक करते मोटर सायकल चोर निगरानी बदमाश वारंटी शंकर को गिरफ्तार कर उसके द्वारा चुराई गई दो मोटरसाइकल जब्त कर जेल भेजा गया। आरोपी के पास से हीरो एचएफ डीलक्स एवं हीरो स्पलेंडर मोटर सायकिल जब्त की गई। शंकर उर्फ बिटनिया थाना सेंधवा शहर का लिस्टेड निगरानी बदमाश है जिसके विरुद्ध थाना सेंधवा शहर पर 15 अपराध पंजीबद्ध है।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन मे शहर थाना प्रभारी राजेश यादव द्वारा अपनी टीम के साथ नाईट कॉम्बिंग गश्त के दौरान शहर के गुण्डे निगरानी बदमाशों को चैक करते मुखबिर से सूचना मिली की, कि चुराई गई मोटर सायकिल निगरानी बदमाश शंकर बिटनिया के द्वारा चुराई गई है। आरोपी के घर पर दबिश देकर पुलिस द्वारा पकड़ा गया, आरोपी के कब्जे से चोरी की मोटर सायकल जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी शंकर बिटनिया द्वारा पूर्व मे भी मोटर सायकल चोरी करना कबूल किया गया। आरोपी शंकर बिटनिया का न्यायालय द्वार गिरफ्तारी वॉरंट भी जारी किया था जो आरोपी को गिरफतार कर माननीय न्यायालय पेश कर जेल भेजा गया।

पुलिस की कार्यवाही में निरीक्षक राजेश यादव, उनि रोहित पाटीदार एवं रमेशचन्द्र सोलंकी, प्रआर. रघुवीर खोड़े, रेमसिहं अलावा, आर प्रकाश, रविन्द्र, मुकेश, आकाश, लालसिंह नार्वे, अनिल की सराहनीय भूमिका रही।

आनंद विभाग के वॉलिंटियर नागरिकों को टीकाकरण करवाने के लिए कर रहे प्रेरित

माही की गूंज, खरगोन।

जिला पंचायत सीईओ दिव्यांक दिवांक सिहं के निर्देशानुसार आनंद विभाग के स्वयं सेवी वॉलिंटियर के माध्यम से टीकाकरण अभियान को सफल बनाने के लिए जिले भर जन जागरूकता मोटिवेशन कार्य मे किया जा रहा है। बुधवार को ग्राम बमनाला मे टीकाकरण महाअभियान मे लोगों को प्रेरित करने के लिए गलियों मे प्रचार प्रसार किया गया। जिला प्रोग्राम लीडर केबी मंसारे ने लोगों से अनुरोध किया कि कोविड से पूर्णतः सुरक्षा के लिए तीसरा टीका अनिवार्य लगवा लें। घर परिवार के सदस्यों को भी लगवाने मे सहयोग करे। इस अवसर विनय गुप्ता, रमेश चक्रवर्ती, स्वास्थ्य विभाग से संजय अवासे, अंजु मुजाल्दे, आशा सुपरवाइजर, ममता मलतारे, आशा कार्यकर्ता संगीता वर्मा, पंचायत सचिव हेमेंद्र उपस्थित रहे।

जिले की तीन नगर परिषदों में आरक्षण प्रक्रिया सम्पन्न

माही की गूंज, खरगोन।

राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नवीन कलेक्टर सभाकक्ष में बुधवार को तीन नगर परिषदों के वार्ड आरक्षण की प्रक्रिया सम्पन्न हुई। वार्डवार आरक्षण प्रक्रिया कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम के निर्देशन में हुई। इस पूरी प्रक्रिया में अपर कलेक्टर केके मालवीय, नगर पालिका सीएमओ प्रियंका पटेल और जिला पंचायत अतिरिक्त सीईओ पुरुषोत्तम ने आरक्षण प्रकिया संपादित की। आरक्षण प्रक्रिया में सम्बंधित नगर परिषदों के सीएमओ और प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भीकनगांव में आरक्षण इस प्रकार

15 वार्डो की नगर परिषद में वार्ड क्रमांक 1 अनारक्षित, वार्ड-2 अनुसूचित जनजाति, वार्ड 3 अनारक्षित (महिला), वार्ड 4 अनारक्षित, वार्ड 5 ओबीसी (महिला), वार्ड 6 अनुसूचित जाति, वार्ड 7 अनारक्षित (महिला), वार्ड 8 अनूसूचित जाति (महिला), वार्ड 9 अनारक्षित, वार्ड 10 अनारक्षित (महिला), वार्ड 11 ओबीसी, वार्ड 12 अनारक्षित, वार्ड 13 अनुसूचित जनजाति (महिला), वार्ड 14 अनारक्षित (महिला) तथा वार्ड 15 अनसूचित जनजाति (महिला) के लिए आरक्षित है।

इसी प्रकार महेश्वर नगर परिषद के 15 वार्डों में आरक्षण की स्थिति वार्ड क्रमांक 1 में अनारक्षित (महिला), वार्ड 2 में अनारक्षित (महिला), वार्ड 3 में अनारक्षित (महिला), वार्ड 4 में अनुसूचित जनजाति (महिला), वार्ड 5 में ओबीसी (महिला), वार्ड 6 में ओबीसी, वार्ड 7 में अनारक्षित (महिला), वार्ड 8 में अनुसूचित जाति, वार्ड 9 में अनुसूचित जनजाति, वार्ड 10 में अनारक्षित, वार्ड 11 में अनारक्षित, वार्ड 12 में अनारक्षित, वार्ड 13 में अनारक्षित, वार्ड 14 में अनुसूचित जाति (महिला) तथा वार्ड क्रमांक 15 ओबीसी (महिला) के लिए आरक्षित है।

नगरपरिषद मण्डलेश्वर के 15 वार्डों में आरक्षण की स्थिति

नगर परिषद मण्डलेश्वर के 15 वार्डों में आरक्षण में वार्ड क्रमांक 1 में अनारक्षित (महिला), वार्ड 2 अनारक्षित (महिला), वार्ड 3 अनारक्षित, वार्ड 4 अनारक्षित (महिला), वार्ड 5 अनारक्षित (महिला), वार्ड 6 अनारक्षित, वार्ड 7 ओबीसी (महिला), वार्ड 8 अनारक्षित, वार्ड 9 ओबीसी (महिला), वार्ड 10 अनारक्षित, वार्ड 11 अनसुचित जाति (महिला), वार्ड 12 अनुसूचित जाति (महिला), वार्ड 13 अनुसूचित जाति, वार्ड 14 ओबीसी तथा वार्ड 15 अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित किया गया है।

कॅरियर सेल के कार्यकर्ताओं को जिला प्रशासन ने किया सम्मानित

माही की गूंज, बड़वानी।

शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बड़वानी के स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्षन प्रकोष्ठ के कार्यकर्ताओं प्रीति गुलवानिया, अंतिम मौर्य एवं कॅरियर काउंसलर डॉ. मधुसूदन चैबे को आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर 15 अगस्त, 2022 को बड़वानी जिला प्रशासन ने प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। प्राचार्य डॉ. एनएल गुप्ता के मार्गदर्शन में कार्यरत कॅरियर सेल के कार्यकर्ताओं ने बड़वानी गौरव महोत्सव के अंतर्गत उल्लेखनीय योगदान दिया था। इस उपलब्धि पर कॅरियर सेल में हर्ष का वातावरण है। यह प्रशंसा पत्र केबिनेट मंत्री एवं बड़वानी जिले के प्रभारी मंत्री हरदीप सिंह डंग, केबिनेट मंत्री प्रेमसिंह पटेल, राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी, लोकसभा सांसद गजेंद्र सिंह पटेल, कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश सोनी, पुलिस अधीक्षक दीपककुमार शुक्ला के करकमलों से प्राप्त हुआ। साथी कार्यकर्ताओं को और अधिक कार्य करने की प्रेरणा मिली। किरण वर्मा, अंकित काग, जगमोहन गोले, गीना डावर, महेश वास्के, उमा फूलमाली, साक्षी परमार, वर्षा मालवीया, कोमल सोनगड़े, धीरज सागोरे सहित सभी कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त की।

आदिवासी बाहुल्य जिले में राष्ट्रीय पर्व की उड़ी धज्जियां, स्कुल में नहीं फहराया तिरंगा

ग्रामिणों ने पटेल को सौंपा ज्ञापन, जनसुनवाई मे भी दिया आवेदन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

आदिवासी बाहुल्य जिले मे स्वतंत्रता दिवस के अमृत महोत्सव अंतर्गत 15 अगस्त पर ग्रामिण क्षैत्रो की स्कुलो मे ध्वजारोहण नही कर खुलेआम माखौल उडाया गया। इस तरह से प्रधानमंत्री के तिरंगा अभियान एवं राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की धज्जियां उडाई जा रही है। 15 अगस्त को ग्रामिणजन सुबह से लेकर दोपहर तक स्कुल मे खडे रहकर शिक्षको के आने का रास्ता देखते रहे, परंतु शिक्षक झंडावंदन कार्यक्रम करने नही पहुंचे। कलेक्टर एवं सहायक आयुक्त को इस मामले को गंभीरता से संज्ञान मे लेते हुए बीईओ, बीआरसी, स्कुल प्राचार्य एवं शिक्षको पर कडी कार्रवाई कर उन्हे तत्काल निलंबित करना चाहिए। उक्त बाते पुर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेश पटेल ने जारी प्रेस विज्ञप्ति मे कही।

कलेक्टर एवं सहायक आयुक्त करे कड़ी कार्रवाई

ग्राम अरठी आम्बी फलिया ग्राम पंचायत गुडा तहसील कठिवाडा जिला अलीराजपुर के ग्रामिणो ने मंगलवार को पुर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष महेश पटेल को इस मामले को लेकर एक ज्ञापन सौपा। इसके पुर्व सभी ग्रामिणजन मंगलवार को जनसुवाई मे पहुंचे ओर आवेदन दिया।

पटेल ने बताया कि, प्रदेश स्तर पर जिले मे षिक्षा की स्थिती बदहाल होकर धरातल पर पहुंच गई है। अधिकारियो द्वारा शिक्षा की बेहतरी को लेकर बडे-बडे दावे करते हे, लेकिन जमीन पर इसकी हकिकत कुछ ओर मालुम पढती है। जिम्मेदार अफसर सिर्फ सडक मार्गो की स्कुलो व आंगनवाडियो का निरिक्षण कर संतुष्ट हो जाते हे। जबकि सुदुर ग्रामिण क्षैत्रो की स्कुलो एवं आंगनवाडियो मे जाए तो बदहाल स्थिती का सही पता चलेगा। पटेल ने बताया कि, शिक्षा की बदहाल की स्थिती क्या होगी जब राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस पर स्कुलो पर झंडावंदन नही किया गया हो। ग्राम अरठी आम्बी फलिया प्रा.वि. मे शिक्षको ने 15 अगस्त पर झंडावंदन करना उचित नही समझा। यहां तक की ग्रामिणजन सुबह से लेकर दोपहर तक स्कुल मे खडे रहकर शिक्षको के आने का रास्ता देखते रहे, परंतु शिक्षक झंडावंदन करने नही पहुंचे। इस तरह से राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस की धज्जियां उडाई गई है। उन पर कडी कार्रवाई होना चाहिए।

पटेल ने बताया कि, जिले मे कई स्कुले शिक्षक विहिन पडी हुई है, जबकि अधिकांश शिक्षको को बिना काम के जिला मुख्यालय पर अटेच कर रखा है। ऐसे शिक्षको को खाली पडी स्कुलो मे भेजना चाहिए। ग्राम अरठी के मुकामसिंह पिता वेस्ता, नितेश पिता जेराम, दुकालसिंह पिता मेथु, माधु पिता ढेडु, दिलु पिता भंगडा, सुकराम पिता डुंगरसिंह, संजय पिता चमसिंह, सुरेंद्र पिता जबरिया, मुकामसिंह पिता नाहलिया सहित अन्य ग्रामिणजनो ने पटेल को सोपे गए ज्ञापन मे बताया कि, अरठी आम्बी फलिया प्रा.वि. वर्ष 2022 मे जब से स्कुल खुला है तब से कोई भी शिक्षक स्कुल मे नही आए है। 15 अगस्त 2022 को स्कुल पर झंडावंदन का कार्यक्रम भी नही हुआ है। साथ ही आंगनवाडी केंद्र एवं स्कुल मे बच्चो को पोषण आहार नही दिया गया है। इस दौरान ग्रामिणो ने श्री पटेल को 15 अगस्त को स्कुल बंद के फोटो एवं विडियो भी दिखाए।

पटेल ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि, राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस पर झंडावंदन कार्यक्रम नही करने वाले संबधितो पर कार्रवाई नही हुई ओर जिले मे शिक्षा की स्थिती नही सुधरी तो कांग्रेस पार्टी आंदोलन के लिए बाध्य होंगी।

ग्राम पंचायत कार्यालय पर ग्राम सभा का हुआ आयोजन

सरपंच-उपसरपंच की पहल के बाद कई समस्याओं पर मिले सुझाव

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय

कलेक्टर सोमेश मिश्रा के आदेश अनुसार सारंगी ग्राम पंचायत भवन पर ग्राम सभा का आयोजन किया गया। ग्राम सभा में सरपंच फुनदी बाई मैंड़ा की अध्यक्षता में ग्राम सभा में शासन के एजेंटा अनुसार विस्तार पूर्वक नोडल अधिकारी पशु चिकित्सक डॉक्टर रमेश चंद वसुनिया द्वारा एजेंटा का वाचन किया गया। ग्राम सभा में ग्राम के काफी संख्या में लोगों ने भाग लेकर अपनी समस्या का निराकरण के लिए आवेदन दिए। ग्राम सभा में 17 आवेदन आए। पत्रकार संघ ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सारंगी पर महिला विशेषज्ञ डॉक्टर की नियुक्ति का आवेदन दिया। वार्ड नंबर 19 के पंच नीतू कुंवर हेमेंद्र सिंह राठौर ने बावड़ी पर खाली पड़ी जगह पर बगीचा एवं बच्चों के लिए झूला-चकरी लगाने एवं गौ माता के पानी पीने के लिए पूरे गांव में सात स्थान पर होद बनाने का आवेदन दीया। बस स्टैंड पर महापुरुष की मूर्ति स्थापना एवं रमेश पाटीदार के घर से पाटीदार समाज के श्मशान घाट तक सीसी रोड बनाने का आवेदन दिया। गाडोलिया समाज के लोगों ने आंगनवाड़ी भवन एवं गाडोलिया समाज जहां निवास करता है उसके सामने गांव का कचरा इकट्ठा कर कचरा गाड़ी द्वारा कचरा डाला जाता है, उस जगह पर तार फेंसिंग का आवेदन दिया। वार्ड नंबर 20 अमरहोली के पंच नाहर सिंह मेडा ने वार्ड में सीसी रोड, सभा भवन, आंगनवाड़ी भवन के लिए आवेदन दिया। सभी आवेदन के निराकरण के लिए सरपंच एवं उपसरपंच एवं पंच ने गांव के लोगों को आश्वस्त किया।

ग्राम सभा में उपसरपंच रणजीत सिंह राठौर व सभी पंच के अलावा गांव के सभी समाज वर्ग के लोग, नोडल अधिकारी रमेश चंद्र वसुनिया, हल्का पटवारी लालचंद बवेरिया, पंचायत सचिव हरिराम भूरिया, गांव के पत्रकार संजय उपाध्याय, हर्ष राठौर, सुरेश परिहार, विजय अग्रवाल, जयराज भट्ट ने ग्राम सभा में भाग लिया। ग्राम सभा का संचालन वार्ड नंबर 15 के पंच गौरव पाटीदार ने किया एवं आभार वार्ड नंबर 12 के वरिष्ठ पंच गंगाराम मेडा ने माना।

पत्रकार संघ कार्यालय व राम दल अखाडा पर शान से लहराया तिरंगा

माही की गूंज, मेघनगर। भूपेंद्र जैन

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस का राष्ट्रीय पर्व नगर सहित अंचल में हर्षोल्लास से मनाया गया। जगह-जगह झंडा वंदन कर तिरंगा फहराया गया। इस अवसर पर पत्रकार संघ कार्यालय पर भी शान से तिरंगा फहराया गया। यहां सर्वप्रथम वरिष्ठ पत्रकार व पार्षद लाखन सिंह देवाणा, हितेश पडियार, पार्षद संतोष परमार, अजय डामोर, राजेश अहीर, मोहन संघवी, रजत कावडीया आदि पत्रकारों ने मां सरस्वती की तस्वीर पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित एवं पूजा अर्चना कर युवा पत्रकार जयेश झामर द्वारा झंडा वंदन कर तिरंगा फहराया गया। इस अवसर पर पत्रकार संघ के संरक्षक मोहन संघवी, देवेंद्र जैन, मनीष नाहटा, भूपेंद्र जैन, रोहित झामर, मुकेश बामनिया, सौरभ जैन, संजय बंधु, आदि पत्रकार सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

वहीं श्री राम दल अखाड़ा पर बड़े ही धूमधाम से ध्वजारोहण किया गया। यहां पर ध्वजारोहण बलवंत हाड़ा के द्वारा किया गया। बड़ी संख्या में यहां पर समाजसेवी एवं नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे एवं सभी में मिठाई वितरित की गई।

नगर के दशहरा मैदान में नवनिर्वाचित जनपद अध्यक्ष कमलेश मचार द्वारा ध्वजारोहण का किया गया। बड़ी संख्या में सभी स्कूलों के बच्चे, नगर के गणमान्य नागरिक, समाज सेवी, शासन-प्रशासन के कर्मचारी इस अवसर पर मौजूद रहे और बड़े ही धूमधाम से इस 15 अगस्त का महापर्व मनाया गया।

रोटरी क्लब का शपथ विधि सम्मान समारोह सम्पन्न

माही की गूंज, थांदला।

आजादी का अमृत महोत्सव मनाते हुए देश की सेवा करने वाली रोटरी इंटरनेशनल सामाजिक संस्था मण्डल 3040 के रोटरी क्लब थांदला ''संजीवनी'' का शपथविधि समारोह एक निजी स्थान पर भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भोपाल से पधारें डिस्ट्रिक गवर्नर रोटे. जिनेन्द्र जैन ने सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उन्हें व उपस्थित सदन को रोटरी क्लब द्वारा समाजोत्थान के लिए चलाई जाने वाली गतिविधियों के संचालन व सदस्यों द्वारा उसके सही निर्वहन के सम्बंध में आवश्यक सुझाव दिए। उन्होनें डिस्ट्रिक गवर्नर होने के नाते क्लब को विविध कार्य योजनाओं के लिए ग्रांट आदि में पूरा सहयोग करने का भरोसा भी दिया। शपथ विधि अधिकारी इलेक्ट डिस्ट्रिक गवर्नर रोटे. ऋतु ग्रोवर ने रोटे. कमलेश दायजी को अध्यक्ष, रोटे. उमेश ब्रजवासी को सचिव के साथ बोर्ड ऑफ डायरेक्टर में रोटे. हुसैनी बोहरा, रोटे. पवन नाहर, रोटे. मुस्तुफा बोहरा आदी सदस्यों को रोटरी के नियमों का पालन करते हुए समाज की निःस्वार्थ भाव से सेवा करने की शपथ दिलाई। उन्होनें सभी निर्वाचित सदस्यों को बधाई देते हुए जन सेवा के श्रेष्ठ कार्यो के लिये शुभकामना व्यक्त की। रोटे. सुशील मल्होत्रा ने क्लब द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न योजनाओं में ग्रांट की जानकारी देते हुए क्लब की भावनाओं के अनुरूप नगर में डायलिस सेंटर शुभारम्भ के लिए ग्रांट स्वीकृत करने में सहयोग की बात भी कही।

इस अवसर पर महर्षि दयानंद आश्रम के संस्थापक हँसमुखलाल सोनी, जैन श्रीसंघ के पूर्वाध्यक्ष समाजसेवी नगीनलाल शाहजी, असी. गवर्नर रोटे. मनोज अरोरा, रीजनल कॉर्डिनेटर रोटे. भरत मिस्त्री, नगर परिषद अध्यक्ष बंटी डामोर, भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मणसिंह नायक आदि ने भी नव निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए जन सेवा कार्यों के लिये शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा भारतमाता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। रोटे. समकित तलेरा ने कार्यक्रम शुभारम्भ की घोषणा की वही मेघनगर के रोटे. विनोद बाफना ने चतुर्विद मंत्र कहा। उसके बाद शपथविधि अधिकारी ने सभी सदस्यों को शपथ दिलवाई।

नगर की सेवा प्रमुख लक्ष्य- दायजी

नव निर्वाचित अध्यक्ष कमलेश जैन ÷दायजी÷ ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि, उनका लक्ष्य हमेशा से अंचल की सेवा का रहा है। उन्होनें अपनी वार्षिक योजना से अतिथियों व सदन को बताते हुए कहा कि वे आने वाले समय में नगर से भिक्षावृत्ति को समाप्त करने के लिए महज 10 रुपए में भरपेट भोजन योजना का संचालन करेंगे, शांतिनगर में गार्डन गोद लेकर वहाँ पँछीघर बनाएंगे, स्वास्थ्य शिविर के आयोजन, मुक्तिधाम के विकास, पितृ पर्वत योजना के क्रियान्वयन सहित अनेक गतिविधियों को आने वाले एक वर्ष में करने का लक्ष्य रखा।

नगर के समाजसेवियों को दिया अमृत सेवा सम्मान

आजादी की 75 वर्ष पूर्ण होने पर संस्था द्वारा नगर के ईमानदार कर्मचारी फखरुद्दीन बोहरा, अंचल में आदिवासियों में सामाजिक चेतना व कुरीतियों को दूर करने के प्रयासों के लिए श्यामा ताहेड़, जनसंघ के संस्थापक रामाजी धानक, समाजसेवा में योगदान के लिये जयंतीलाल तलेरा, तेजाजी महाराज के सेवक जमनालाल राठौड़, भजनों के रसिक कृष्णकांत (बबला) सोनी, साहित्य रत्न जगमोहनसिंह राठौर, संसाधनों के अभावों में अंचल के रोगियों की सेवा के लिए डॉ. महेंद्र उपाध्याय (ओम), व्यायामशाला के संचालन कर्ता उस्ताद भैरूलाल वैद्य, समाज सेवा के लिए अलीअसगर नाकेदार एवं जय जिनेन्द्र ग्रुप संस्थापक प्रवीण पालरेचा, हिंदुत्व धर्म रक्षा के लिए डाया भाई धानक, कोरोनकाल में सेवा कार्य के लिए अनिल भंसाली, मूक पशुओं की सेवा के लिए यतीन्द्र जैन ÷दायजी÷, पॉलीथिन का उपयोग नही करने पर व जन सेवा के लिए गगनेश उपाध्याय का तथा पाँच वर्षों तक नगर परिषद अध्यक्ष के रूप में नगर की सेवा के लिए बंटी डामोर व उपाध्यक्ष मनीष बघेल को अमृत सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया। समारोह का संचालन कार्यक्रम पवन नाहर ने व रउमेश गवली ने आभार माना। कार्यक्रम में अणु रोटरी क्लब झाबुआ, रोटरी क्लब अपना मेघनगर व रोटरी क्लब पेटलावद, लायंस क्लब थांदला, राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं महिला बाल विकास आयोग, जीव दया अभियान, कैलाश विजयवर्गीय मित्र मंडल के पदाधिकारियों सहित नगर के अनेक गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, प्रबुद्ध जन उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस पर आन बान शान से सभी सरकारी कार्यालयों में लहराया तिरंगा

माही की गूंज, सारंगी।

इस वर्ष 75वां स्वतंत्रता दिवस अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। ऐसे में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस को लेकर कुछ ज्यादा ही उत्साह नजर आ रहा था। गांव के सभी विभाग के सरकारी कार्यालय पर तिरंगा एवं लाइट लगाकर सजाया गया था। 13 अगस्त से गांव में कई संगठनों द्वारा तिरंगा रैलियों का आयोजन किया जा रहा था। मुख्य आयोजन ग्राम पंचायत प्रांगण में किया गया, जिसमे ग्राम पंचायत की सरपंच फुनदी बाई मेडा, उपसरपंच रणजीत सिंह राठौर, सभी पंच एवं गणमान्य नागरिक, स्कूल के छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रगान गाकर झंडा लहराया।

झंडा वंदन से पहले गांव के सभी शासकीय स्कूल, सभी प्राइवेट स्कूल के छात्र-छात्राओं ने स्कूल प्रांगण से प्रभात फेरी निकाली। सभी छात्र-छात्राओं के हाथों में तिरंगे झंडे लहरा रहे थे। सभी छात्र-छात्राएं भारत माता की जय, देश की रक्षा कौन करेगा हम करेंगे हम करेंगे, वंदे मातरम के नारे लगाते हुए पूरे गांव में भ्रमण करके ग्राम पंचायत पर पहुंचे। यहां पर ग्राम पंचायत एवं मुकेश लोहार मित्र मंडल के द्वारा पुष्प वर्षा कर छोटे बच्चों को तिरंगा एवं चॉकलेट दे कर सभी का स्वागत किया गया। उप तहसील कार्यालय पर नायब तहसीलदार सुश्री परवीन अंसारी, पुलिस चौकी पर चौकी प्रभारी केसी सीरवी, जिला सहकारी बैंक पर शाखा प्रबंधक संजय सिंह, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर डॉ. सुरेश कटारा, मध्य प्रदेश विद्युत मंडल कार्यालय, बालक हाई स्कूल, कन्या हाई स्कूल, मिडिल स्कूल, प्राइमरी स्कूल, प्राथमिक स्कूल, आदर्श हाई स्कूल, सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल पर झंडा फहराया गया। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर सारंगी मंडल के अध्यक्ष सुखराम मोरी के नेतृत्व में समस्त कार्यकर्ता एवं ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय पर भी पूर्व जनपद अध्यक्ष हीरालाल डाबी एवं सभी कार्यकर्ता के नेतृत्व में झंडा फहराया गया। सारंगी चौकी प्रभारी कैसी सीरवी के नेतृत्व में पुलिस स्टाफ ने पौधरोपण किया।

हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ स्वतंत्रता दिवस समारोह, कलेक्टर सिंह ने ध्वजारोहण कर ली परेड की सलामी

माही की गूंज, अलीराजपुर।

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत स्वतंत्रता दिवस का आयोजन जिलेभर में हर्षोल्लास के साथ किया गया। खेल परिसर मैदान अलीराजपुर में स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह आयोजित हुआ जिसमें कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण किया। तत्पचात राष्ट्रगान एवं मध्यप्रदेश गान हुआ। इसके बाद मुख्य अतिथि द्वारा परेड का निरीक्षण किया गया। तत्पचात कलेक्टर श्री सिंह द्वारा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का प्रदेश के नागरिकों के नाम संदेश का वाचन किया गया। इसके बाद मुख्य अतिथि कलेक्टर श्री सिंह द्वारा परेड की सलामी लेकर परेड कमांडरों से परिचय लिया गया। कलेक्टर श्री सिंह द्वारा रंग-बिरंगे गुब्बारे हवा में छोडे गए। पुलिस बल ने हर्ष फायर किया। तत्पचात परेड द्वारा मार्च पास्ट की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, शहीदों के परिजनों का शाल, श्रीफल एवं पुष्पमाला भेंट करते हुए कलेक्टर श्री सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनीता चौहान, विधायक मुकेश पटेल ने सम्मान किया गया। इसके बाद विद्यालयीन बच्चों ने पीटी का प्रदर्शन किया। तत्पचात विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने राष्ट्रभक्ति से जुडी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। परेड में एसएएफ दल एवं जिला पुलिस बल संयुक्त रूप से प्रथम होमगार्ड दल द्वितीय स्थान पर रहे। उन्हें ट्रॉफी और प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। एनसीसी में शासकीय महाविद्यालय अलीराजपुर सीनियर प्रथम एवं स्कॉउट दल द्वितीय पर रहे। परेड में जिला महिला पुलिस बल, वन विभाग, एनसीसी सीनियर विभिन्न विद्यालय के स्कॉउट दल द्वारा भी मार्च पास्ट में हिस्सा लेते हुए आकर्षक परेड की प्रस्तुति दी गई। जवाहर नवोदय विद्यालय अलीराजपुर के बच्चों ने बैंड की सुमधुर प्रस्तुति दी। परेड का नेतृत्व रक्षित निरीक्षक चेतनसिंह बघेल ने किया। सहायक परेड कमांडर मनीष गिरी थे। देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक आयोजन की मनमोहक प्रस्तुतियां विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने प्रस्तुत की। इसमें एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय अलीराजपुर प्रथम, पटेल पब्लिक स्कूल अलीराजपुर द्वितीय एवं स्वामी विवेकानंद विद्यापीठ अलीराजपुर तृतीय रहें। सांस्कृतिक प्रस्तुति में डान बास्को अकादमी अलीराजपुर के बच्चों ने भी आकषर्क प्रस्तुति दी। तत्पचात जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारीगण-कमर्चारीगण एवं मैदानी स्तर के कमर्चारीगण को सम्मानित किया गया।

कायर्क्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनीता चौहान, पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह, अलीराजपुर विधायक मुकेश पटेल, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती संस्कृति जैन, पूर्व विधायक नागरसिंह चौहान, नगर पालिका अलीराजपुर अध्यक्ष रितेश डावर, नपा उपाध्यक्ष मकू परवाल सहित अन्य गणमान्यजन, जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण-कमर्चारीगण, नागरिकगण व मीडिया प्रतिनिधिगण व बडी संख्या में स्कूली बच्चें आदि उपस्थित हुए।

धूमधाम से मनाई स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ

माही की गूंज, आम्बुआ।

भारतीय स्वतंत्रता के 75वीं वर्षगांठ को अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। घर-घर तिरंगा तथा शासकीय, अर्ध शासकीय भवनों, निजी शिक्षण संस्थाओं में ध्वजारोहण किया गया।

हमारे आम्बुआ संवाददाता से प्राप्त जानकारी के अनुसार आम्बुआ ग्राम पंचायत में नवनिर्वाचित सरपंच रमेश रावत ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उप सरपंच थानसिंह भयडिया, सचिव बद्रीलाल भाबर के साथ पंच एवं ग्राम के गणमान्य नागरिक, शिक्षण संस्थाओं के शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थी आदि उपस्थित रहे। पंचायत प्रांगण में हाई सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से संबंधित गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया। यहां पर विद्यार्थियों को अच्छे अंक से उत्तीर्ण होने तथा विभिन्न गतिविधियों में जीत हासिल करने पर संस्था के प्राचार्य नरेंद्र भारद्वाज ने सरपंच रमेश रावत के कर कमलों से पुरस्कृत कराया। साथ ही सर्वधर्म सदभाव के तहत हिंदू समाज से भागीरथ चौहान, मुस्लिम समाज से मौलाना इरशाद रजा, गोपाल राठौड़, बोहरा समाज से मोहम्मद भाई को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक लोंगसिंह भयडिया ने किया।

ध्वजारोहण के क्रम में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर डॉक्टर सुश्री रेखा कनेश, पुलिस थाने पर थाना प्रभारी दिलीप सिंह चंदेल, आज संस्था में प्रबंधक डीएस भयडिया, हाई सेकेंडरी स्कूल में प्राचार्य नरेंद्र भारद्वाज, प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाध्यापिका श्रीमती मंजुला जमरा, अंशुल विद्या मंदिर में श्रीमती अलका त्रिपाठी, मां पार्वती मेमोरियल स्कूल में संचालक श्रीमती मनोरमा रामचंद्र माहेश्वरी तथा टैलेंट पब्लिक स्कूल में सरपंच रमेश रावत, आइडियल स्कूल में सुश्री मनप्रीत गुप्ता ने ध्वजारोहण किया। दाऊदी बौहरा जमात के स्काउट गाइड में तिरंगा रैली मस्जिद से बस स्टैंड तक निकाली तथा मस्जिद प्रांगण में वाली मुल्लाह शब्बीर भाई कोहावाला ने ध्वजारोहण कर बच्चों को चॉकलेट वितरित की गई। ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायतों के सरपंचों एवं शिक्षण संस्थाओं में संस्था प्रमुखों द्वारा ध्वजारोहण किया गया।

झाबुआ जिले के छोटे से गांव पाड़लघाटी से झालोद (गुजरात) का सफर तय करने वाले तिरंगे को अंतिम सलामी देकर अलविदा हुए नारायण भाई

नारायण एक ऐसा व्यक्तित्व जो समाज के लिए एक मिसाल थे

– सैकडो की तादात में सर्व समुदाय ने नारायण भाई की अंतिम यात्रा में शामिल होकर दी श्रद्धांजलि।

– आजादी के 75 वर्ष पर अमृत महोत्सव के साथ जश्न मनाकर स्वाधिनता दिवस पर देश की आन-बान-शान तिरंगे को अंतिम सलामी देकर दुनिया से रूखसत हुए नारायण भाई सोलंकी।

माही की गूंज, झाबुआ।

जिसका जन्म हुआ है उसकी मृत्यु तय है, परन्तु इस जीवन-मरण के मध्य अपने परिश्रम व अपने व्यवहार कुशलता के साथ ऐसे बहुत कम व्यक्ति होते है जो समाज में अपनी एक अलग अमिट छाप छोड़कर जाते है और वो दुनिया में समाज के लिए मिसाल बन जाते है। आज हम ऐसे अमिट छाप छोड़ कर जाने वाले उस व्यक्तित्व के बारे में लिखने का प्रयास कर रहे है, जिसके बारे में जहां तक हमने जाना है, उनके बारे में जितना भी लिखें शायद उस दिवंगत आत्मा के लिए कम ही होगा।

एक ऐसा नाम जिसने मेवाड़ा कलाल समाज के हिरालाल सोलंकी व भगवतीबाई सोलंकी के पुत्र रूप में जन्में नारायण भाई सोलंकी जिनका सफर राजस्थान के वस्सी से लेकर पाडलघाटी (झाबुआ) से झालोद (गुजरात) तक के अपने सांसारिक जीवन का सफर तय करने वाले नारायण भाई ने 60 वर्षिय कार्यकाल में अपने परिश्रम के साथ एक बुलंदी पर पहुंचे और धार्मिक एवं सामाजिक क्षेत्र में आपने कई ऐसे-ऐसे निश्वार्थ कार्य किए जो समाज में एक मिसाल बन कर गए। नारायण भाई सोलंकी अपने नाम नारायण के अनुरूप कईयों के लिए एक भगवान की तरह मददगार बन उन्हें भी एक शिखर पर ले जाकर खड़ा किया। दिनेश, निरज (शांतु) के काका व मोहनलाल सोलंकी थांदला व चिमनलाल सोलंकी झालोद के भाई संजय व निलेश के पिताजी नारायणलाल सोलंकी जिनका जन्म वस्सी (कुशलगढ़) राजस्थान में हुआ। जिसके बाद पाड़लघाटी में अपने तीनो पुत्रों को लेकर पिता हिरालालजी व माता भगवतीबाई अपने व्यवसाय की जुगाड़ में कल्याणपुरा के पाड़लघाटी में जाकर बसे और उन पर टैग नेम पाड़लघाटी निवासी के नाम से पहचाने जाने लगे। नारायण सोलंकी अपने विद्यार्थी जीवन में अपनी माता भगवतीबाई के नजदीकी परिवार में मामा बलदेवजी चौहान गराडु (झालोद) के यहां रहकर कक्षा तीसरी से आठवीं तक सल्लोपाट में पढाई की। तत्पश्चात 300 रूपये प्रतिमाह में मुनिमगिरी की। मुनिमगिरी के साथ अपना छोटा किराने के व्यापार के रूप में शुरूआत की और गुजरात के भुगेडी में उनके अनुरूप ही धार्मिक आस्था वाली दक्षा बेन के साथ विवाह कर अपने परिश्रम के बलबुते पर व्यवसाय का एक बड़ा एम्पायर खड़ा कर प्रभुता गार्डन के साथ प्रायवेट स्कूल एवं कई बड़े व्यापार क्षेत्र व क्षेत्र के बाहर भी स्थापित किए। नारायण भाई पाडलघाटी वाले के नाम से जाने जाकर झालोद में अपना धार्मिक एवं सामाजिक क्षेत्र में भी अपने सरल स्वभाव के साथ ऐसा परचम लहराया कि, वे कितनी भी बुलंदी पर पहुच गए, परन्तु उनके इतने नाम के चलते कभी भी आंशिक अहंकार भी उनके व्यवहार में नहीं आया। झाबुआ की मेवाड़ा कलाल समाज की वाटिका में वे ट्रस्टी थे। धार्मिक क्षेत्र में उनकी रूची होकर गरीबों को कभी भूखा नहीं जाने दिया, ब्राहम्णों को सदैव भोजन करवाते रहते, गिरीबापु जैसे राष्ट्रीय संतो के भक्त होकर कई भागवत कथाएं करवाई। अपना कोई परिवार का सदस्य पिछड़ा होने पर उन्हे तन, मन, धन से सहयोग कर आर्थिक रूप से मजबूत बनाने का प्रयास किया। अपने कर्मचारियों के यहां कोई भी विपदा होने पर कभी उन्हे किसी प्रकार की परेशानी नही आने दी, कर्मचारियों के यहां कोई मांगलिक आयोजन हुआ तो वहां अपना पुरा तन, मन व धन खर्च कर उनके यंहा के आयोजन में चार चांद लगाने में कभी कोई कसर नही छोडी। बेन, बैटी, भांजियो को भी अपने स्तर पर हर तरिके से अपनेपन के साथ हर सम्भव सहयोग किया। किसी भी समाज, संगठन या धार्मिक आयोजनो के लिए जब भी कोई पहुचे, तो नारायण भाई ने अपना नारायणिय धर्म अदा कर सामने वाले की मंशानुसार सहयोग प्रदान किया। ऐसे व्यक्तित्व के धनी जो 15 अगस्त को अपने घर पर ब्राहम्णो को भोजन करवाकर, अपने घर से अभिषेक कर अपनी निजी स्कूल में जाकर ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। पूर्णतः स्वस्थ भाई नारायण सोलंकी अपनी आफिस में आकर बैठे और कुछ समय बाद सीने में एक मामुली दर्द शुरू हुआ जिसपर अपने ड्रायवर को फोन कर बुलवाया और चार पहीया वाहन से हास्पिटल में चेकअप कराने हेतु डाक्टर के पास जाने निकले और आफिस से हास्पिटल तक के 10 मिनीट का यह सफर अंतिम सफर होकर डॉक्टरो के चेकअप के बाद मृत घोषित कर दिया। जहां उस समय आजादी के 75 वर्ष पर हर कोई अमृत महोत्सव का जश्न मना रहा था, वही यह नारायण अपना नारायणिय कार्य के रूप में सुबह पुजा-अर्चना, अभिषेक के साथ ब्राहम्णो को भोजन करवाकर, ध्वजारोहण कर देश की आन-बान-शान तिरंगे को अंतिम सालामी देकर नारायण भाई, नारायण के द्वार मोक्ष प्राप्ती कर हर किसी से अलविदा कह कर चले गए। जैसे ही नारायण भाई नही रहे ग्राम, क्षेत्र व बाहरी क्षेत्र के किसी भी व्यक्ति ने सुना स्तब्ध सा रह गया, किसी ने यह माना ही नही कि, नारायण भाई नही रहे होगें। जिनका अंतिम संस्कार 15 अगस्त की शाम झालोद के मानव सेवा ट्रस्ट के उसी मुक्तिधाम में किया गया जंहा के वे ट्रस्टी प्रमुख थे, उनकी अंतिम यात्रा में सर्व समुदाय के सैकडो के हुजुम ने शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित की। वही सर्व समाज के साथ मैवाड़ा कलाल समाज पंचमहाल, बांसवाडा, कुशलगढ, झाबुआ-अलिराजपुर आदि सभी परिक्षेत्र के समाजजन एवं प्रत्येक परिवार ने अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित की।

नारायण भाई के सम्बंध में 80 वर्षीय गराडु (झालोद) निवासी जगदीश जी पिता बलदेव जी चौहान ने माही की गूंज को बताया, नारायण वास्तविक रूप में नारायण नही बल्कि नारायणिय थे, मेरे पिता महज उनके विद्यार्थी जीवन में आधार स्तम्भ भले ही बने है, नारायण मेरा छोटा भाई से ज्यादा था लेकिन नारायण ने स्वंय के अपने विवके, योग्यता एवं परिश्रम के साथ धार्मिक मार्ग पर चलकर ही अपना लक्ष्य तय किया था। ऐसे नारायण भाई का जाना समाजजन के साथ हर वर्ग के लिए क्षति है जिन्हे हम सभी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते है।

झाबुआ-अलिराजपुर परिक्षेत्र मेवाडा कलाल समाज के अध्यक्ष डाडमचंद लोदावरा ने बताया कि, नारायण भाई मे मानव सेवा कुट-कुटकर भरी थी, सामाजिक रूप से कोई व्यक्ति सहयोग के लिए जाता तो कभी भी उनकी और से किसी प्रकार की मनाही नही होती थी, वही पैदल यात्री किसी भी क्षेत्र से झालोद होकर गुजरते तो उन्हे बुला-बुलाकर भोजन करवाते एवं रात्रि विश्राम की पुरी व्यवस्था करते। जब भी उनसे मिलते तो सदैव सरल स्वभाव के होकर इतने बडे व्यक्तिव होने के बाद भी कभी भी उनमें अहम नही दिखाई दिया। ऐसे व्यक्ति को बारम बार नमन कर मेवाड़ा कलाल समाज की और श्रद्धांजलि अर्पित की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422